R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 02
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 10 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 जैतवारडीह में डायरिया से हड़कंप स्वास्थ्य विभाग ... 5 जोखिम गर्भवती महिलाओं को जांच कर वितरण ... 7 आपन तलवार दे दा' - अक्षरा सिंह का सबसे ...

दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और राष्ट्रीय राजधानी स्थित मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, धमकी के संबंध में एक अलग कॉल भी प्राप्त हुई, जिसके बाद एहतियात के तौर पर कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि धमकी भरे ईमेल में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय दोनों में संभावित विस्फोट का उल्लेख था। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत तत्काल और समन्वित कार्रवाई की गई और दोनों जगहों पर बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाली टीमों (बीडीडीटी) को तैनात किया गया।

अतिरिक्त डीसीपी (मध्य), एसीपी कमला मार्केट और एसएचओ आईपी एस्टेट सहित वरिष्ठ अधिकारी सचिवालय में तोड़फोड़-रोधी जाँच की निगरानी में मौजूद थे। एमएएमसी में, आईपी एस्टेट थाने के अतिरिक्त यातायात अधिकारी (एटीओ) द्वारा इस अभ्यास की निगरानी की जा रही थी। दोनों स्थानों पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने एक बयान में कहा घबराने की कोई बात नहीं है। वाल्सन ने आगे कहा कि साइबर पुलिस स्टेशन की एक टीम ईमेल की उत्पत्ति और प्रामाणिकता की जाँच कर रही है। शुरुआती जाँच में पहले भेजे गए फर्जी धमकी भरे ईमेल से समानताएँ सामने आई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जाँच से संकेत मिलता है कि यह संदेश किसी दूसरे राज्य के लिए भेजा गया हो सकता है। हालाँकि, हम इसे पूरी गंभीरता से ले रहे हैं और सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), यातायात पुलिस और विशेष प्रकोष्ठ को भी सूचित कर दिया गया है और वे कार्रवाई में मदद कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एमएएमसी और सचिवालय दोनों जगहों पर गहन जाँच चल रही है, जहाँ खोजी कुत्ते और तकनीकी टीमें परिसर की जाँच कर रही हैं। जाँच के दौरान प्रवेश और निकास द्वार सुरक्षित कर दिए गए हैं और प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

जयराम रमेश का सवाल धनखड़ 50 दिनों से चुप क्यों? देश उनके बयान का कर रहा है इंतजार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पिछले 50 दिनों से असामान्य चुप्पी साध रखी है और उनके उत्तराधिकारी के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही, देश उनके बोलने का इंतज़ार कर रहा है। मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के सी.पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है, और धनखड़ के अचानक इस्तीफ़े के कारण ज़रूरी हुए इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि पिछले 50 दिनों से धनखड़ ने असामान्य चुप्पी साध रखी है। रमेश ने एक्स पर लिखा कि पिछले 50 दिनों से जगदीप धनखड़ ने अप्रत्याशित चुप्पी साध रखी है। आज जब उनके उत्तराधिकारी के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो रही है, तब भी देश उनके ऐतिहासिक और अप्रत्याशित इस्तीफे पर बयान का इंतज़ार कर रहा है। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा उस समय दिया था जब उन्होंने मोदी सरकार द्वारा किसानों की घोर उपेक्षा, सत्ता में बैठे लोगों के 'अहंकार' से पैदा होने वाले खतरों और अन्य मुद्दों पर चिंता व्यक्त की थी। इस बीच, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रायपुर में संवाददाताओं से कहा, 'उपराष्ट्रपति चुनाव क्यों हो रहे हैं? पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कहाँ हैं?' उन्होंने कहा कि एनडीए को चुनावों में अपना बहुमत साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी बहुत मज़बूत हैं। मुझे उम्मीद है कि नतीजे हमारे पक्ष में होंगे।' मतगणना आज शाम को होगी। राधाकृष्णन और उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में नामित सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के बीच मुकाबला तय है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्षी दलों, दोनों ने इस महत्वपूर्ण दिन से पहले मॉक पोल आयोजित किए और सांसदों से कहा कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें, कहीं उनका वोट अमान्य न हो जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को 427 सांसदों का समर्थन प्राप्त है, जो बहुमत के 391 के आंकड़े से कहीं अधिक है। एक भाजपा नेता ने कहा था कि एनडीए उम्मीदवार को कम से कम 427 वोट मिलने की उम्मीद है।

उधार शराब न मिलने पर भड़का होमगार्ड, ठेके में लगा दी आग; वीडियो वायरल

मेरठ **(एजेंसी)**। जिले में शराब न मिलने पर अंग्रेजी शराब के ठेके में कथित रूप से आग लगाने को लेकर एक होमगार्ड को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार देर रात दौराला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी होमगार्ड की पहचान कपिल के रूप में हुई है, जो पुलिस के 'डायल-112' पर तैनात था।

आरोप है कि उसने शराब उधार न मिलने पर गुस्से में ठेके में आग लगा दी। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी खाकी रंग की पैंट और काली बनियान पहने, सिर पर गमछा बांधे ठेके पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि वह बोतल से पेट्रोल निकालकर दुकान के बाहर छिड़कता है और माचिस जलाकर आग लगा देता है। इसके बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से भाग जाता है। उसी दौरान वहां मौजूद एक साइकिल सवार भी बाद में चला गया।

सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने पहले विक्रेता से शराब मांगी थी और मना किए जाने पर उसने यह कदम उठाया। ठेके के 'सेल्समैन (विक्रयकर्मी)' की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पूछताछ में कपिल ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

राधाकृष्णन बने देश के नए उपराष्ट्रपति विपक्ष के सुदर्शन रेड्डी को दी मात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योंकिं पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था।

मतदान समाप्त होने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 781 में से 12 सांसदों ने मतदान नहीं किया। मतदान करने वाले की संख्या 767 रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। देश के 17वें उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं।

संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हो रहा है। विभिन्न दलों द्वारा दिए गए समर्थन को आधार बनाकर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने बार-बार यह कहकर अपनी दावेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया कि लड़ाई वैचारिक है तथा यह मतदान सिर्फ उप राष्ट्रपति चुनने के लिए नहीं है, बल्कि भारत की भावना के लिए है।

चुनाव से एक दिन पहले सोमवार को विपक्ष के सांसदों ने एकजुटता प्रकट करते हुए बैठक की थी और 'मॉक' (प्रतीकात्मक) मतदान में हिस्सा लिया था ताकि मंगलवार को मतदान के बाद उनका एक-एक वोट वैध करार हो। विपक्षी सांसदों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका वोट बर्बाद न हो, क्योंकि पिछली बार कुछ वोट अवैध घोषित कर दिए गए थे। इस बीच, राजग ने भी सोमवार को चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए अपने सांसदों की बैठक की थी। सदस्यों ने 'मॉक' मतदान में भी भाग लिया था। मतदान से एक दिन पहले ही, ओडिशा की प्रमुख विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने फैसला किया कि उसके सांसद उप राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

मारपीट में घायल युवक की मौत गुस्साए परिजनों ने थाने में किया हंगामा

वाराणसी **(एजेंसी)**। रामनगर थाना क्षेत्र के गोलाघाट क्षेत्र में पांच दिन पहले हुई मारपीट की घटना में घायल युवक चन्दन की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। चन्दन को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृतक के परिजनों और मोहल्ले के नागरिकों ने रामनगर थाने पर धरना दिया, जो बाद में समाप्त हो गया।

सूत्रों के अनुसार, चन्दन पर पांच दिन पहले गोलाघाट क्षेत्र में कुछ लोगों ने हमला किया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे तत्काल बीएचयू अस्पताल ले जाया गया, लेकिन आज सुबह उसकी हालत बिगड़ गई और मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि आरोपी अभी तक फरार हैं और पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। धरना की सूचना मिलते ही कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत की और कहा, 'पीड़ित परिवार को न्याय जरूर मिलेगा। हम इस मामले की जांच में तेजी लाने के लिए पुलिस से बात करेंगे।' विधायक के आश्वासन के बाद सिटी मजिस्ट्रेट और एसीपी कोतवाली ने भी परिजनों से वार्ता की और उन्हें समझाया। इसके बाद धरना समाप्त हो गया।

धरना खत्म होने के बाद विधायक सौरभ श्रीवास्तव पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हिमाचल-पंजाब बाढ़ पर पीएम मोदी का बड़ा बयान, संकट की घड़ी में केंद्र पीड़ितों के साथ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के एक दिवसीय दौरे पर रवाना हुए और इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के साथ खड़े रहने की केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई। हिमाचल प्रदेश से अपने दौरे की शुरुआत करते हुए, प्रधानमंत्री ने मूसलाधार बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान का आकलन किया। इसके बाद वे पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय चर्चा की और चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित स्थानीय निवासियों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और आपदा मित्र टीमों के कर्मियों से भी बातचीत की। दिल्ली से रवाना होने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा था, 'भारत सरकार इस दुखद घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।'

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले गुरदासपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पंजाब इस समय हाल के दशकों की सबसे भीषण बाढ़ आपदाओं में से एक से जूझ रहा है। सतलुज, व्यास और रावी नदियों के उफान के साथ-साथ मौसमी नालों ने राज्य के बड़े हिस्से को जलमग्न कर दिया है। आम आदमी पार्टी (आप) के पंजाब अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने उम्मीद जताई कि केंद्र बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए राहत पैकेज की घोषणा करेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब पिछले 20-25 दिनों से बाढ़ की चपेट में है। कल प्रधानमंत्री मोदी पंजाब आ रहे हैं। हम उनका स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि कल वह पंजाब को राहत पैकेज देंगे। बाढ़ से हुए नुकसान का प्रारंभिक अनुमान 20, 000 करोड़ रुपये है।

अमन अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ से जूझ रहे पंजाब के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी इस कठिन समय में पंजाब के लोगों के साथ खड़े होंगे...आपदा राहत के रूप में पंजाब को 20, 000 करोड़ रुपये का न्यूनतम पैकेज दिया जाना चाहिए और लंबित 60, 000 करोड़ रुपये भी पंजाब को दिए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे।

प्रशांत किशोर की खुली चुनौती बिहार में जेडी(यू) 25 सीटें भी नहीं जीतेगी अगर जीती तो छोड़ दूंगा राजनीति

पटना **(एजेंसी)**। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और राजनीतिक कार्यकर्ता प्रशांत किशोर ने सोमवार को भविष्यवाणी की कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) को अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में 25 से ज़्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। किशनगंज ज़िले में एक सभा को संबोधित करते हुए, किशोर ने कहा कि अगर विधानसभा चुनावों में जेडी(यू) 25 का आंकड़ा पार कर जाती है, तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। अपनी बात को पुख्ता करने के लिए, उन्होंने पश्चिम बंगाल चुनावों का उदाहरण दिया, जिसमें उन्होंने भाजपा की चुनावी संभावनाओं के बारे में भविष्यवाणी की थी।

जन सुराज पार्टी के नेता ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी और जैसा कि कहा गया, भगवा पार्टी केवल 77 सीटों पर ही सिमट गई। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव में जदयू 25 से ज़्यादा सीटें जीतती है, तो मैं राजनीति छोड़ दूँगा। उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा के इस आरोप पर भी निशाना साधा कि किशोर शराब माफिया से मिले हुए हैं। उन्होंने वर्मा की तुलना 'सड़क पर टहलते कुत्ते' से की और कहा कि हर किसी को जवाब देने की ज़रूरत नहीं है।

किशोर ने मुसलमानों और हिंदुओं के बीच गठबंधन की वकालत की, जो उनके अनुसार गांधीवादी, अंबेडकरवादी, कम्युनिस्ट और समाजवादी हैं। उन्होंने दावा किया कि आधे हिंदुओं ने भाजपा को वोट नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, 'मुसलमानों को लंबी लड़ाई लड़ने के लिए हिंदुओं के साथ हाथ मिलाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि देश में 80 प्रतिशत हिंदू हैं और भाजपा को उनमें से केवल 40 प्रतिशत वोट मिले हैं। उन्होंने कहा कि एमवाई समीकरण कहाँ है? अगर एमवाई समीकरण होता, तो 40 मुस्लिम विधायक होते। बिहार से कितने मुस्लिम सांसद जीते हैं? समीकरण एमवाई नहीं, वाईएम है। जहाँ भी वाईसमुदाय के लोग चुनाव लड़ते हैं, मुसलमान डर के मारे उन्हें वोट देते हैं। जहाँ कोई मुसलमान चुनाव लड़ता है, वहाँ वाईसमुदाय या किसी अन्य समुदाय के लोग उन्हें वोट नहीं देते।

आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मानदेय में हुई बढ़ोतरी पर लगी मुहर

पटना **(एजेंसी)**। राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मासिक मानदेय में बढ़ोतरी कर दी है। इसके तहत सेविका को अब 7 हजार के स्थान पर 9 हजार रुपये तथा सहायिका को 4 हजार से बढ़ाकर 4500 रुपये प्रति महीने दिए जाएंगे। इसके लिए राज्य योजना मद से प्रतिवर्ष 345 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये अतिरिक्त व्यय की मंजूरी कैबिनेट से दी गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 25 एजेंडों को सहमति दी गई। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में राजस्व कर्मचारी के 3 हजार 303 नए पद की मंजूरी दी गई है। इन नए पदों पर कर्मियों की बहाली तेजी से बढ़ती जमाबंदी के मामलों का निपटारा करने के उदेश्य से किया गया है।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका को मानदेय की बढ़ी हुई राशि 1 सितंबर के प्रभाव से ही मिलेगी। आईसीडीएस (समेकित बाल विकास योजना) के क्रियान्वयन में सेविकाओं या सहायिकाओं की भूमिका मुख्य रूप से है। बढ़ती महंगाई एवं मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए इनके मानदेय में बढ़ोतरी की गई है, जिससे उनके जीवन में सुधार होगा। साथ ही उनके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना के तहत सूबे की 8 हजार 53 पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से विवाद मंडप का निर्माण कराने के लिए राज्य योजना मद में बिहार आकस्मिकता निधि से 50 करोड़ रुपये जारी की गई है। यह नई योजना है, इस वजह से आकस्मिक निधि से अग्रिम राशि मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूर्ण करने के लिए 100 करोड़ रुपये राशि की स्वीकृति दी गई है। यह राशि राज्य योजना मद में बिहार आकस्मिक निधि से जारी की गई है।

इसके अलावा कैबिनेट में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर भी सहमति बनी है। इसके तहत बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) के राज्य स्तरीय कार्यालय यानी जीविका मुख्यालय का निर्माण पटना में करने के लिए 73 करोड़ 66 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत लोक उदेश्य के कार्यों तथा विभिन्न तरह की आधारभूत संरचना मसलन नाला, सड़क, प्रशासनिक भवन, सम्राट अशोक भवन, मोक्षधाम या शवदाह गृह, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत कंपोस्ट प्लांट, तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सीवरेज या

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट समेत अन्य के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इससे शहरों का सौंदर्यीकरण, आधारभूत संरचना का निर्माण एवं नागरिक सुविधा का विकास हो सकेगा।

वहीं, कोयंबटूर स्थित ईशा फाउंडेशन को छह शहरों पटना, गयाजी, छपरा, सहरसा, भागलपुर और बेगूसराय में गैस (एलपीजी) आधारित शवदाह गृह की स्थापना एवं संचालन के लिए इन शहरों में एक-एक एकड़ भूमि 1 रुपये के टोकन पर इस फाउंडेशन को लीज पर दी गई है। नगर निगम स्तर पर योजना प्रभाग के गठन की मंजूरी दी गई है। इसके अंतर्गत सहायक नगरपालिका योजना पदाधिकारी का पद सृजित किया गया है। नगरपालिकाओं को सौंपे गए दायित्वों एवं कार्यों के निर्वहन में सुगमता के उदेश्य से इन पदों पर नियमित नियुक्ति जरूरी है। नगर निकायों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके मद्देनजर नगरपालिका विधि सेवा नियमावली, 2025 की स्वीकृति प्रदान की गई है।

पंजाब में बाढ़ संकट : पीएम के दौरे से पहले आप ने घेरा, मांगा 80, 000 करोड़ का पैकेज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) के पंजाब अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने उम्मीद जताई कि केंद्र बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए राहत पैकेज की घोषणा करेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब पिछले 20-25 दिनों से बाढ़ की चपेट में है। कल प्रधानमंत्री मोदी पंजाब आ रहे हैं। हम उनका स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि कल वह पंजाब को राहत पैकेज देंगे। बाढ़ से हुए नुकसान का प्रारंभिक अनुमान 20, 000 करोड़ रुपये है। अमन अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ से जूझ रहे पंजाब के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी इस कठिन समय में पंजाब के लोगों के साथ खड़े होंगे...आपदा राहत के रूप में पंजाब को 20, 000 करोड़ रुपये का न्यूनतम पैकेज दिया जाना चाहिए और लंबित 60, 000 करोड़ रुपये भी पंजाब को दिए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पंजाब में बाढ़ की स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं और इस पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। वह स्थानीय परिस्थितियों का व्यक्तिगत रूप से आकलन करने और पंजाब के लोगों को अधिकतम सहायता प्रदान करने के लिए ज़मीनी हकीकत को समझने के लिए 9 सितंबर को पंजाब का दौरा कर रहे हैं।' जाखड़ ने आगे कहा, 'इससे पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज चौहान को स्थिति का आकलन करने के लिए भेजा गया था। पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार की दो टीमें अपने दौरे के बाद केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगी। भारत सरकार पंजाब के लोगों के साथ पूरी तरह खड़ी है।' पंजाब के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अनुसार, पंजाब में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई है और मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। रविवार को मृतकों की संख्या 46 थी। पिछले हफ़्ते हुई भारी मानसूनी बारिश के कारण राज्य के कई ज़िले नदियों में उफान पर हैं और हज़ारों लोग प्रभावित हुए हैं।

मण्डलायुक्त ने ग्राम पंचायत चिल्ला सहबाजी का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त, प्रयागराज विजय विश्वास पंत ने आज ग्राम पंचायत-चिल्ला सहबाजी का निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि मण्डलायुक्त द्वारा ऑगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान मौके पर वजन मशीन नहीं पायी गई। आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने अवगत कराया कि वजन माप यंत्र को टीकाकरण स्थल पर ले जाया गया है। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद की सभी आंगनबाड़ी कार्यक्रत्रियों से लिखित प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जाय कि उनके द्वारा पोषण टैंकर में भरी गयी समस्त विवरण सही है और रैण्डम आधार पर इसका सत्यापन भी कराया जाय। सत्यापन के दौरान अन्तर पाये जाने पर सम्बन्धित आंगनबाड़ी कार्यकत्री का वेतन अवरुद्ध किया जाय।

मण्डलायुक्त ने किया मॉडल शॉप का निरीक्षण

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त ने ग्राम पंचायत चिल्ला सहबाजी में स्थित मॉडल शॉप के निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि वजन मशीन का मापांकन कराया जाय। ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत-दानियालपुर में कोटा निलम्बित चल रहा है, जिसके दृष्टिगत उन्हांने जिला पूर्ति अधिकरी को संज्ञान लेते हुए तत्काल कोटा बहाली के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरोग्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त ए.एन.एम. एवं आशा की एम.ओ.आई.सी. प्रत्येक महीने बैठक कर समीक्षा करें।

मण्डलायुक्त ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त ने चिल्ला सहबाजी में निर्मित पंचायत भवन में बैठक की। उन्होंने ग्रामीण मो0 उबैद द्वारा अम्बेडकर पार्क के पास साफ-सफाई कराये जाने के मॉग पर ग्राम पंचायत में कार्यरत सचिव को निर्देशित किया कि अम्बेडकर पार्क की तत्काल वृहद रूप से साफ-सफाई करवा दिया जाय। उन्हांने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि अम्बेडकर पार्क की साफ-सफाई होने के उपरान्त निरन्तर स्वच्छता बनाये रखें। उन्हांने ग्रामवासी अरई लाल द्वारा रामदीन के घर से पीपल के पेड़ तक 250 मीटर रोड बनवाये जाने की मॉग पर सचिव को नियमानुसार कराये जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार राम सरेमन द्वारा अवगत कराया गया कि राम बहोरे के घर के पास लगे हैण्डपम्प में सबमर्सिबल लगा हुआ है, जिस पर उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि इस हैण्डपम्प से तत्काल सबमर्सिबल हटवाकर हैण्डपम्प को पुनः चालू करवाया जाय।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वर्मी कम्पोस्ट का कराया जाय प्रचार-प्रसार

कौशाम्बी। मंडलायुक्त ने चिल्ला सहबाजी में बनवाये गये वर्मी कम्पोस्ट के सम्बन्ध में ग्राम प्रधान से जानकारी प्राप्त करने पर ग्राम प्रधान ने बताया कि 02 टन वर्मी कम्पोस्ट बनकर तैयार है, जिस पर मण्डलायुक्त ने प्रधान एवं सचिव को निर्देशित किया कि वर्मी कम्पोस्ट का लोगों में प्रचार-प्रसार कराते हुए इसकी बिक्री कराते हुए ग्राम पंचायत का राजस्व बढ़ाया जाय।

लखनऊ में दिखेगा निशानची का रंग

12 सितंबर को ऐश्वर्य ठाकरे-वेदिका पिंटो की नई जोड़ी संग पहुँचेंगे डायरेक्टर अनुराग कश्यप

जित मुम्बई। अपनी बोल्ड स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप चेन्नई के बाद अब अपनी सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म निशानची के प्रमोशन के लिए लीड कास्ट ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो संग नवाबों के शहर कहे जाने वाले लखनऊ का दौरा करने जा रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होते ही यह लगातार सुर्खियों में बनी हुई है, ऐसे में 12 सितंबर को होने वाला यह दौरा उत्साह को और बढ़ाने वाला है।

अमेज़न श्उश स्टूडियो द्वारा रिलीज की जा रही इस फिल्म के साथ बेहद टैलेंटेड ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो बतौर लीड अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में दोनों एक्टर्स की परफॉर्मेंस बेहद कैची लगी है, साथ ही उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या सच में यह उनकी डेब्यू फिल्म है। इसके अलावा निशानची के साथ ऐश्वर्य सिर्फ एक्टिंग ही नहीं बल्कि बतौर सॉन्ग राइटर और कंपोजर भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। गाने का हुक लाइन 'पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई' पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेज़ी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनता नजर आ रहा है।

निशानची इस 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इससे पहले ही इंडस्ट्री में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा का माहौल बना हुआ है। ट्रेलर को न सिर्फ दर्शकों से सराहना मिल रही है बल्कि अमिताभ बच्चन, आयुष्मान खुराना जैसे कई बड़े नामों ने भी इसकी तारीफ की है।

निशानची का देसी तड़का इसे देखने के लिए दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा रहा है। फिल्म की कहानी से लेकर म्यूज़िक हर एक चीज बेजोड़ है। जहां, इसका म्यूज़िक अपनी ताज़गी और अलग अंदाज़ के कारण लोगों के दिल को छू रहा है। वहीं, ऐश्वर्य का डेब्यू फिल्म में उनके डबल रोल के कारण सबसे ज्यादा चर्चित डेब्यूज़ में से एक बन गया है। इसके साथ ही, फिल्म की एंसेंबल कास्ट इसे और भी दिलचस्प बना देती है, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं।

अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आत्महत्या के नियत से कुएं में कूदी महिला की बची जान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। करीब 12.20 डायल 112 पर सूचना मिली कि थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत औरंगाबाद में एक महिला पारिवारिक विवाद को लेकर आवेशमें आकर कुएं में कूद गई है। जिस पर तत्परता दिखाते हुए डायल-112 द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से महिला को कुएं से सुरक्षित निकाला गया। जिसे ईलाज हेतु सीएचसी औराई ले जाया गया, जहां पर महिला की स्थिति सामान्य है।पुलिसकर्मियों की तत्परता से महिला की जान बच सकी। पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही पर घायल के परिजनों व स्थानीय जनता ने भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार प्रकट किया।

मण्डलायुक्त ने किया कम्पोजिट विद्यालय का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त ने कम्पोजिट विद्यालय चिल्ला सहबाजी के निरीक्षण के दौरान निपुण तालिका का अवलोकन किया एवं कार्यरत समस्त अध्यापकों को निर्देशित किया कि सितम्बर माह में पाठ्यक्रम के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी के दक्षताओं के अनुसार प्रतिदिन नियमानुसार निपुण तालिका का अवलोकन किया जाय। उन्होंने रसोई घर के निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन में दाल, चावल बना था, जो मीनू के अनुसार सही पाया गया। कक्षा-02 की छात्रा सविता देवी से अंग्रेजी में नाम पूँछा गया। साथ ही उसी कक्षा में अध्ययनरत ऋषि नाम के विद्यार्थी से उसके नाम का अर्थ पूछा गया, तो छात्र द्वारा अपने नाम का अर्थ सही बताया गया।

अन्त्योदय कार्डधारक प्रति कार्ड 14 किग्रा गेहूँ एवं 21 किग्रा चावल (कुल 35 किग्रा) निःशुल्क प्राप्त करें खाद्यान्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जनपद में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत माह सितम्बर, 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न तथा अन्त्योदय कार्डधारकों त्रैमास जुलाई, अगस्त, सितम्बर, 2025 के सापेक्ष चीनी का वितरण 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 के मध्य कराया जाना है। जनपद के समस्त पात्र लाभार्थियों से अपील की जाती है किं अन्त्योदय कार्डधारकों को 14 किग्रा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल (कुल 35 किग्रा) प्रतिकार्ड तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को उनके कार्ड से सम्बद्ध प्रत्येक यूनिट पर 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल (कुल 05 किग्रा0 प्रति यूनिट), 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 तक खाद्यान्न निःशुल्क तथा अन्त्योदय कार्डधारकों को त्रैमास जुलाई, अगस्त, सितम्बर 2025 के सापेक्ष 03 किग्रा0 चीनी प्रतिकार्ड रू0-18.00 प्रतिकिग्रा की दर से रू0-54/- में उचित दर दुकान से प्राप्त कर सकते है। अन्त्योदय राशनकार्डधारकों को चीनी के सम्बन्ध में पोर्टिबिलिटी की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, लाभार्थी अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त कर सकते हैं।

मण्डलायुक्त ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से किया संवाद

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने ग्राम पंचायत-चिल्ला सहबाजी में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। जयदुर्गे महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा बताया गया कि उन्हें मशरूम की खेती करनी है, इसका प्रशिक्षण दिलाया जाय, जिस पर मण्डलायुक्त ने खण्ड विकास अधिकारी, चायल को निर्देशित किया कि तत्काल प्रशिक्षण प्रदान करवाया जाय। विन्द्वेश्वरी देवी ने अवगत कराया कि जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्मित पानी टंकी से पानी की सप्लाई नहीं की जा रही है, जिस पर अधिशासी अभियन्ता ने अवगत कराया कि 25 दिसंबर 2025 तक शत-प्रतिशत पानी की टंकी से सप्लाई ग्राम पंचायतों में शुरू करवा दिया जायेगा।

मो. अर्श ने अवगत कराया कि जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में पाईपलाइन खुदाई के दौरान मस्जिद से लेकर सुनीता के घर तक रोड एवं नाली खराब हो गई है, जिसे बनवाया जाना अति आवश्यक है, जिस पर मण्डलायुक्त ने अधिशासी अभियंता जल निगम को तत्काल प्रभाव से बनवाये जाने के निर्देश दिए। मोहिनी देवी ने अवगत कराया कि उन्हें पारिवारिक लाभ योजना के बारे में जानकारी नहीं है, जिस पर उन्हें पारिवारिक लाभ योजना के बारे में जानकारी दी गई। देवकली ने अवगत कराया कि गाटा संख्या-77 एवं 78 में से गाटा संख्या-77 में उनका नाम दर्ज नहीं है, जबकि गाटा संख्या-78 में उनका नाम दर्ज है। गाटा संख्या-77 में नाम दर्ज कराये जाने के साथ-साथ कब्जा दिलवाने एवं खतौनी जारी किये जाने का अनुरोध किया गया, जिस पर मण्डलायुक्त ने सम्बन्धित लेखपाल को इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए।

परास गांव में लगाया स्मार्ट मीटर

कौशाम्बी। विद्युत उपकेंद्र कमालपुर के परास ग्रामसभा में सोमवार को बिजली विभाग के कर्मचारियों ने लोगों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाया। इस दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि अब उन्हें इतना ही बिल देना होगा जितनी बिजली खर्च करेंगे। कमालपुर उपकेंद्र के जेई राजपथ रजक की मौजूदगी में सोमवार को परास ग्रामसभा पहुंचे विद्युतकर्मियों ने घर-घर मीटर लगाने का काम शुरू किया। स्मार्ट मीटर लगाते समय जेई ने कहा कि अब उपभोक्ताओं को बिल में गड़बड़ी की समस्या का सामना नहीं होगा। स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनसे उतना ही बिल लिया जाएगा, जितनी बिजली उनके द्वारा खर्च की गई है।

बिहरोजपुर में बड़े ही धूमधाम से निकाली गई कलश यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज क्षेत्र के बिहरोजपुर में मंगलवार को श्रीमदभागवत कथा के पूर्व भव्य और विशाल कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें भारी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। यात्रा के दौरान महिलाएं सर पर कलश रखकर कलश यात्रा में शामिल हुई। बिहरोजपुर में कलश यात्रा का शुभारम्भ बढ़ेवीर गंगा घाट से शुरू होकर सुजातपुर होते हुए फिर बिहरोजपुर में दूधनाथ शिव मंदिर के बाद कथा स्थल पर जाकर संपन्न हुआ। कलश यात्रा में लोग डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर नाचते झूमते शामिल हुए। बिहरोजपुर में बुधवार को श्रीमद भागवत कथा का शुभारम्भ होगा जिसमें कथा वाचक तुलसी अवार्ड से सम्मनित जय प्रकाश मिश्रा हैं। इस मौके पर कमला शंकर मिश्रा, विजय शंकर मिश्रा, लक्ष्मी शंकर मिश्रा मुन्नू पंडित, संतोष मिश्रा, राजन मिश्रा और पंकज मिश्रा समेत भारी सारी संख्या गांव और क्षेत्र के लोग शामिल हुए।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद शीतल पाल की जयंती के अवसर पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दयाशंकर पाण्डेय (कोऑर्डिनेटर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी) ने अपने उद्बोधन में कहा- 'शहीद शीतल पाल ने अंग्रेहुकूमत के खिलाफ लड़ाई में जिस तरह से साहस और त्याग का परिचय दिया, वह हमारी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके बलिदान को सदैव याद किया जाएगा।'

विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष डा0 राजेंद्र कुमार दूबे 'राजन' ने कहा कि 'आज हम सबको शहीदों के सपनों का भारत बनाने की जिम्मेदारी लेनी होगी। सामाजिक न्याय, भाईचारा और समानता ही उनके बलिदान का सच्चा उद्देश्य था।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष वसीम अंसारी ने कहा- 'अमर शहीद शीतल पाल ने आज़ादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर हम सबको गौरवान्वित किया है। कांग्रेस पार्टी ऐसे शहीदों की विरासत को संजोने और जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेती है।'

इस कार्यक्रम के संयोजक जिला सचिव राजेश पाल एवं राकेश पाल व विमलेश पाल ने संयुक्त रूप से कहा कि 'शहीद शीतल पाल की जयंती मनाना सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को बलिदान और देशभक्ति का संदेश देना है।'

गोष्ठी के दौरान अमर शहीद शीतल पाल की पाँचवीं पीढ़ी के वंशज राम सहारे पाल एवं सभाजीत पाल का जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सुरेशचंद्र मिश्रा, राम सहारे पाल, दीनानाथ दूबे, राजेश्वर दूबे, मसूद आलम, त्रिलोकी नाथ बिन्द, मृत्युंजय पाण्डेय, स्वालेह अंसारी, मनोज गौतम, अवधेश पाठक, जजलाल राय, नाज़िम अली, रंगनाथ दूबे, सुरेश चौहान, संदीप दूबे, रमाशंकर बिन्द, महेशचंद मिश्रा शमशीर अहमद, करन मौर्या, धीरज पाल, विनोद गौतम, रियाज अली, शक्ति मिश्रा, अनीश शेख, विशाल गौतम, नितिन सिंह, मोनिश अंसारी, संतोष पाल, धीरज बिन्द, रोहित पाल, वीरेंद्र पाल, सुभाष पाल, गणेश पाल, रमाशंकर पाल, सभाजीत पाल इत्यादि लोग रहें।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए : शैलेन्द्र पहलवान

मंत्र भारत संवाददाता

अयोध्या। राष्ट्रीय गौ रक्षक सेना भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेन्द्र पहलवान ने कहा कि गौ माता में सभी देवी-देवताओं का वास है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी अपने जीवन में गौ सेवा को सर्वोपरि स्थान दिया था। उन्होंने कहा कि लंबे समय से गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित किए जाने की मांग हो रही है।

शैलेन्द्र पहलवान ने बताया कि वे प्रतिदिन गौ सेवा में लगे रहते हैं और जहां भी कोई गाय भूखी या बीमार दिखाई देती है, उसकी सेवा कराने का प्रयास करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निवेदन किया कि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित कर सम्मान दिया जाए। उन्होंने कहा कि गाय का दूध, मूत्र और गोबर मानव जीवन के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। प्राचीन समय से ही भारतीय संस्कृति में गौ माता को पूजनीय माना गया है। गौ मूत्र से कई बीमारियां दूर होती हैं और गोबर से धूपबत्ती जैसे उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पूर्व में जारी रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, शॉर्ट टर्मिनेटेड/शॉर्ट ओरिजिनेटेड की अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

- गाड़ी संख्या 15065 गोरखपुर-पनवेल दिनांक 28.09.2025 को तथा गाड़ी संख्या 15066 पनवेल-गोरखपुर दिनांक 29.09.2025 को निरस्त हेतु अधिसूचित किया गया था, जिसे बहाल कर दिया गया है अब यह गाड़ियाँ अपने निर्धारित मार्ग पर चलेंगी।
- गाड़ी संख्या 12511 गोरखपुर-तिरूवनन्तपुरम उत्तर दिनांक 18.09.2025, 19.09.2025, 21.09.2025 को गोमती नगर से शॉर्ट ओरिजिनेट हेतु अधिसूचित किया गया था। अब यह गाड़ी गोरखपुर से निर्धारित समय पर चलेगी।
- गाड़ी संख्या 12590 चर्लपल्ली-गोरखपुर दिनांक 25.09.2025 को गोमती नगर पर शॉर्ट टर्मिनेट हेतु अधिसूचित किया गया था। अब यह गाड़ी गोरखपुर से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 12591 गोरखपुर-यशवंतपुर दिनांक 20.09.2025 को गोमती नगर से शॉर्ट ओरिजिनेट हेतु अधिसूचित किया था । अब यह गाड़ी गोरखपुर से अपने निर्धारित समय पर चलेगी।
- दिनांक 27.09.2025 को गाड़ी संख्या 12591 गोरखपुर-यशवंतपुर गोरखपुर के स्थान पर गोमती नगर से शॉर्ट ओरिजिनेट रहेगी तथा यह गाड़ी गोरखपुर-गोमती नगर के मध्य निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 15066 पनवेल-गोरखपुर दिनांक 22.09.2025 को आनंद नगर पर शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी तथा यह गाड़ी आनंद नगर-गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 11037 पुणे-गोरखपुर दिनांक 26.09.2025 के स्थान पर अब दिनांक 25.09.2025 को मऊ स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी।
- गाड़ी संख्या 11081 लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर दिनांक 24.09.2025 को मऊ स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी तथा यह गाड़ी मऊ-गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 11082 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.) दिनांक 26.09.2025 को मऊ जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट रहेगी तथा यह गाड़ी गोरखपुर-मऊ के मध्य निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 15017 लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर दिनांक 24.09.2025 से 28.09.2025 के स्थान पर 25.09.2025 से 29.09.2025 तक निरस्त रहेगी। दिनांक 24.09.2025 को निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित यह गाड़ी निर्धारित रूप से चलेगी तथा गोरखपुर छावनी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी।

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1595/25(D)

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता सामुदायिक प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना औराई क्षेत्र में यूनियन बैंक द्वारा आरबीआई, एवं नाबार्ड के सहयोग से आयोजित वित्तीय साक्षरता समुदाय प्रशिक्षण शिविर मे शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं बैंक प्रबंधक द्वारा प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया।। कार्यक्रम के दौरान श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा साइबर संबंधित अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए आज के परिवेश मे हो रहे साइबर फ्रॉड जैसे ऑनलाइन फ्रॉड सोशल मीडिया, अपराध हैकिंग डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में जानकारी दिया गया। साथ ही आजकल हो रहे हाउस अरेस्ट/डिजिटल से सावधान रहने व बचने से संबंधित जानकारी दिया गया। किसी भी वेबसाइट पर अपने व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले जांच लें, ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी और सरकारी विभाग कंपनियों के कस्टमर केयर का नंबर आधिकारिक वेबसाइट से ही प्राप्त करें ।खाते से केवाईसी अपडेट करने के लिए बैंकों द्वारा कभी भी किसी से व्यक्तिगत जानकारी/ओटीपी नहीं मांगी जाती है कृपया सतर्क रहे ।

साइबर/वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा स्थानीय थाने पर बने साइबर हेल्प डेस्क पर सूचना दें जिससे धनराशि खाते से होल्ड कराया जा सके।साइबर अपराध एनसीआरपी पोर्टल की वेबसाइट ँ.म्बैमस.ुदन.ग्ह पर दर्ज कराए आदि के सम्बन्ध में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा उपस्थित लोगों को जागरूक किया गया ।

शंकराचार्य एक दिवसीय यात्रा पर काशी पधार रहे हैं

गौमतदाता संकल्प यात्रा हेतु 12 को बिहार प्रस्थान करेंगे शंकराचार्य जी

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। मुम्बई में अपना चातुर्मास व्रत अनुष्ठान संपन्न करके 11 सितंबर गुरुवार को एक दिवसीय यात्रा पर काशी पधार रहे परमाराध्य परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शङ्कराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज।मुम्बई में चातुर्मास व्रत का सीमोल्लंघन कर मध्यप्रदेश नरसिंहपुर जिले में आयोजित ब्रम्हलीन द्वयपीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के समाराधना महोत्सव में सम्मलित होकर परमहंसी गंगा आश्रम से काशी पधार रहे हैं शंकराचार्य महाराज।

उक्त जानकारी देते हुए शंकराचार्य महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने बताया कि एक दिवसीय अल्प प्रवास में काशी ठहरने के बाद परमधर्माधीश शंकराचार्य महाराज 45 दिवसीय गौमतदाता संकल्प यात्रा हेतु बिहार प्रस्थान कर जाएंगे।बिहार में हर जिले व गांवों में यात्रा कर सनातनधर्मियों से सम्पर्क करके उन्हें गौभक्त प्रत्याशी को ही वोट देने हेतु शंकराचार्य महाराज प्रेरित करेंगे।शंकराचार्य बिहार वासियों को बताएंगे कि आप अगर ऐसे किसी प्रत्याशी या दल को देते हैं जो चुनाव जीतने के बाद गोकशी करवाता है तो उस गोकशी के पाप के भागी आप भी बनेंगे।इसलिए गोकशी के पाप से बचने हेतु आप ऐसे गौभक्त प्रत्याशी को ही वोट दें जो चुनाव जितने के बाद गोकशी बन्द करवाने एवं गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने हेतु कृतसंकल्पित हो।

भाकियू प्रयाग के न्याय पदयात्रा के आगे प्रशासन ने टेके घुटने

न्याय पदयात्रा स्थगित करते हुए किसानों ने दी प्रशासन को दी कड़ी चेतावनी

समस्याओं का नहीं निकला हल तो सीधे होगी आर पार की लड़ाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन प्रयाग द्वारा आयोजित न्याय पदयात्रा प्रशासन के आश्वासन के बाद स्थगित कर दी गई है। प्रशासन ने समस्याओं के समाधान के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। अगर इस दौरान समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो किसान सीधे सरकार से बात करेंगे और लखनऊ के लिए पदयात्रा करेंगे। बता दें कि भारतीय किसान यूनियन प्रयाग ने बीते दिन गौहनिया से लखनऊ के लिए न्याय पदयात्रा की शुरुआत की थी। न्याय पदयात्रा प्रयागराज के यमुना पुल तक पहुंची थी। किसानों के मान मनौव्वल में प्रशासन के हांथ पाव फूल गए। रात्रि विश्राम के बाद किसानों ने आगे की पदयात्रा जैसे ही आरंभ करने की तैयारी की वैसे ही प्रशासनिक आला अफसर फिर से एक बार मांन मनौव्वल में जुट गए। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी, एडीएम आर, एसडीएम बारा, एसडीएम करछना, नायब तहसीलदार बारा, नायब तहसीलदार करछना, एक्सियन बिजली विभाग, खनन अधिकारी समेत जिले के तमाम आला अफसर किसानों के आगे समस्याओं को लेकर तत्काल कार्यवाही की बात करने लगे। लंबी वार्ता चलने के बाद अधिकारियों ने कार्यवाही करने का समय मांगते हुए न्याय पद यात्रा स्थगित करने की गुजारिश की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा कि अवैध खनन पर रोक लगे, परवेजाबाद के मुसहर बस्ती

में पानी और बिजली की तत्काल व्यवस्था की जाए। बात को अमल में लाते हुए मौजूद अफसरों द्वारा कहा गया कि जब तक पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होती तब तक ट्रैंकर के द्वारा मुसहर बस्ती परवेजा बाद में पानी पहुंचाया जाएगा, एवं विद्युत व्यवस्था तत्काल की जाएगी।किसानों की 16 सूत्रीय मांगों पर त्वरित कार्यवाही की जाए।किसानों को उनकी जमीन के लिए उचित मुआवजा दिया जाए, किसानों के लिए सिंचाई की उचित व्यवस्था के लिए विद्युत आपूर्ति की जाए, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान किया जाए, किसानों के लिए सड़कों की मरम्मत की जाए, राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए।प्रशासन के साथ बातचीत के बाद, किसानों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार से बातचीत करने का फैसला किया है।एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम ने किसानों को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। वहीं किसानों ने कहा कि सरकार उनकी मांगों को नहीं मानती है, तो किसान फिर से आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों का समाधान नहीं होता है, तो वे लखनऊ के लिए पदयात्रा करेंगे और सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेंगे। भारतीय किसान यूनियन प्रयाग के पदाधिकारियों ने कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के के मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष ऋषि पांडे, पंकज मिश्रा, राजू दुबे, भोला दुबे, नायक यादव, राम भवन पटेल, संतलाल चौधरी, बेबी चौधरी, पार्वती, बसंती, अजय कुमार, अभिषेक कुमार, सीमा देवी, गुलाबचंद, पुष्पा देवी, रुपेश, हरिश्चंद्र समेत सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

घायल युवक हुआ बेहोश, मुकदमा दर्ज

नवाबगंज (प्रयागराज)। तेज रफ्तार बाइक सवार की चपेट में आकर किशोर गंभीर रूप से घायल हो कर बेहोश हो गया। पुलिस मामले में बाइक सवार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र लखनपुर कांदू निवासी राम सुमेर पुत्र मोहन लाल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसका बेटा बाइक से जा रहा था। तेज रफ्तार की बाइक सवार पवन कुमार पुत्र लवकुश एवं अच्छे पुत्र शमशेर निवासीगण लखनपुर करन द्वारा बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें प्रार्थी के बेटे को गंभीर चोटें आने से वह बेहोश हो गया। वहीं घटना के बाद घायल के पिता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई की है।

कूड़ा-करकट रास्ते में फेंकने के विवाद को लेकर मां-बेटी को पीटा की तोड़फोड़, मुकदमा दर्ज

नवाबगंज सरायफत्ते गांव का है मामला, आठ लोगों पर केस दर्ज

नवाबगंज (प्रयागराज)। रास्ते में कूड़ा-करकट फेंकने के विवाद के विवाद को लेकर प्रार्थीनी की पीटाई देख बीच-बचाव करने पहुंची बेटी को भी बेरहमी से पीटाई करते हुए तोड़फोड़ करने के साथ गला दबाकर मारने का प्रयास किया गया। पुलिस मामले में आठ लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की है।

नवाबगंज सरायफत्ते निवासिनी शिव कुमारी पत्नी स्व. विजय कुमार के मुताबिक रास्ते में कूड़ा-करकट फेक रहे थे। जब वह विरोध की तो विपक्षियों द्वारा गालियां देते हुए मारपीट करने लगे। जब मां के साथ मारपीट देख बेटी अंतिमा बचाव करने पहुंची तो उसके साथ भी मारपीट करते हुए तोड़फोड़ कर गला दबाकर जान से मारने की धमकी दी गई। वहीं पुलिस घटना मामले की तहरीर पर संजय कुमार, दिलीप कुमार, सूरज, पप्पू, कल्लू, नन्हे, मिथिलेश कुमारी एवं मंगीता देवी निवासीगण सरायफत्ते के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है। इस संबंध में सब इंस्पेक्टर संजय कुमार मौर्य ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

मंडी से युवक की बाइक चोरी, केस दर्ज

कौड़िहार। हथिगहां सब्जी मंडी से बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नवाबगंज थाना क्षेत्र मेंडारा निवासी संदीप कुमार पुत्र नत्थू सरोज तीन दिन पूर्व हथिगहां सब्जी मंडी में सब्जी बेचने के लिए आया था। वह बाइक खड़ी करके सब्जी बेचने चला गया। जब वापस लौटा तो बाइक नदारद देख खोजबीन शुरू कर दी। बाइक का कहीं पता न चलने पर पुलिस थाने में बाइक चोरी की तहरीर दी। वहीं पुलिस ने तीन दिन बाद अज्ञात चोरों पर बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सोरांव में अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की गई जान, मचा कोहराम

सोरांव (प्रयागराज)। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई है। वहीं घटना के बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाऊस भेज कर कार्रवाई करते हुए मृतक के पुत्र की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोरांव थाना क्षेत्र राजापुर परशुराम निवासी मान सिंह पुत्र रामार्जुन पटेल ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया की उसके पिता सोरांव आ रहे थे। जैसे ही वह नका का तालाब के पास पहुंचे कि तेज रफ्तार अज्ञात वाहन जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें प्रार्थी के पिता की मौत हो गई है।वहीं पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर वाहन एवं चालक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत विशेष वित्तीय साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा 01 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक चलाये जा रहे तीन माह के वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत जनपद के सैदाबाद ब्लॉक में विशेष वित्तीय साक्षरता एवं संतृप्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सुनील कुमार दास, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक लखनऊ ने विशिष्ट अतिथि के उपस्थिति के साथ ही साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के उपायुक्त अशोक कुमार गुप्ता, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रयागराज क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार तिवारी, प्रयागराज-2 क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक चंद्रकांत चक्रबर्ती, सैदाबाद ब्लाक के खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक मणि प्रकाश मिश्रा, आरसेटी प्रयागराज के निदेशक अभय पाण्डेय, प्रयागराज जनपद के ?फ़ एल सी एस के पाण्डेय एवं विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधकों की उपस्थिति रही।विशेष वित्तीय साक्षरता शिविर में ग्रामीणों को भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं यथा- प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), अटल पेंशन योजना (एपीवाई) और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, ग्रामीणों को इन योजनाओं के साथ अपने खातों को जोड़ने और री-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम के दौरान, आरबीआई के उप महाप्रबंधक सुनील कुमार दास ने वित्तीय समावेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण भारत में डिजिटल लेनदेन, सामाजिक सुरक्षा बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी से न केवल वित्तीय सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगा। उन्होने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाएं । साथ ही, उन्होने साईबर फ्रॉड एवं शिकायत निवारण प्रणाली से ग्रामीणों को अवगत कराया।बैंक ऑफ़ बडौदा के प्रयागराज क्षेत्र 1 एवं 2 के क्षेत्रीय प्रबंधकों के द्वारा री-केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) के लाभों पर जोर दिया और ग्रामीणों से इस संतृप्ति अभियान के तहत री-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के उपायुक्त अशोक कुमार गुप्ता एवं सैदाबाद ब्लाक के खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार जी ने ग्रामीणों को उनके खातों और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के तरीकों के बारे में जानकारी दी एवं आज के तकनीकी युग में डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के बारे में जागरूक किया। बैंक अधिकारियों, व्यवसाय संवाददाताओं और विभिन्न बैंकों के बैंक मित्रों ने कैंप में सक्रिय रूप से भाग लिया। खातों के लिए केवाईसी अपडेट तुरंत किए गए और कई ग्रामीणों को नए बैंकिंग योजनाओं से जुड़ने का लाभ मिला।

सी.पी. राधाकृष्णन की जीत पर भाजपाइयों में हर्ष

जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर मनाया जश्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उपराष्ट्रपति चुनाव में मंगलवार को एनडीए प्रत्याशी रहे सी.पी. राधाकृष्णन की जीत पर भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार में खुशी की लहर दौड़ गई। जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मां भारती को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए सुयोग्य उम्मीदवार दिया। यह जीत

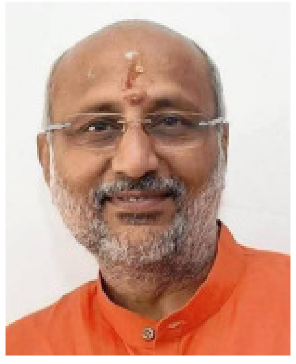

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के सुशासन एवं सशक्त संगठन का परिणाम है। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए मां गंगे मैया से नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति के उज्ज्वल कार्यकाल की प्रार्थना की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, वरिष्ठ नेता नीरज त्रिपाठी, विधायक करछना पियूष रंजन निषाद, विधायक कोरांव राजमणि कोल, विधायक बारा डॉ. वाचस्पति, पूर्व विधायक इं. उदयभान करवरिया, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, आईटी जिला संयोजक सतीश विश्वकर्मा, सोशल मीडिया संयोजक मिथिलेश पांडेय, भाजपा नेता आनंद तिवारी सहित भारी संख्या में यमुनापार के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दीं और एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर जीत का जश्न मनाया।

जैतवारडीह में डायरिया से हड़कंप स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के जैतवारडीह गांव में डायरिया के मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मंगलवार को जैसे ही सूचना स्वास्थ्य विभाग तक पहुंची, डॉक्टरों की टीम तत्काल ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर पहुंच गई और वहां डायरिया से प्रभावित मरीजों की जांच-पड़ताल कर इलाज शुरू किया। टीम ने 52 मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। जिन मरीजों की स्थिति गंभीर पाई गई और जिन्हें ग्लूकोज की आवश्यकता थी, उन्हें स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर पर ही ग्लूकोज की बोतल चढ़ाई गई। डॉक्टरों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और हर जरूरतमंद को दवा और इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। सोराम चिकित्सा अधीक्षक अनुपम द्विवेदी एवं उनके टीम में शामिल डॉक्टरों ने ग्रामीणों को सलाह दी कि गंदा या दूषित पानी पीने से डायरिया फैलने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने ग्रामीणों को उबालकर पानी पीने, खुले में भोजन न करने और घर-परिसर की स्वच्छता बनाए रखने की सख्त सलाह दी। साथ ही ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी व्यक्ति में डायरिया के लक्षण दिखें तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचना दें। गांव के लोगों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई है। इसी कारण दूषित पानी का सेवन करने से डायरिया की समस्या तेजी से फैल रही है। स्वास्थ्य विभाग ने आश्वासन दिया है कि प्रभावित गांव में दवाओं की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और नियमित तौर पर स्वास्थ्य टीम गांव पहुंचकर जांच और इलाज करती रहेगी।

तीन दिवसीय राजयोग शिविर का समापन

अपने सत्य आत्मा स्वरूप को जान परमात्मा पिता से अपने संबंध को अनुभव करना ही सच्चा योग है- प्रोफेसर ईवी गिरीश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। योग माना जोड़ और योग के लिए हमें अपने आप के सत्य स्वरूप को जानना और परमात्मा को सत्य स्वरूप में जानना अति आवश्यक है। क्योंकि बिना यथार्थ पहचान के हम किसी से भी संबंध नहीं जोड़ सकते। संसार की सभी वस्तुएं समय चक्र में स्थित है और समय के साथ बदल जाती हैं परंतु आत्मा और परमात्मा शाश्वत है। इसी तरह हमारा संबंध भी शाश्वत है, परमात्मा सुख शांति प्रेम के सागर हैं और आत्मा भी उसी का स्वरूप है। इसलिए हमें परमात्मा के साथ संबंध जोड़ना अति आवश्यक है और परमात्मा के साथ इसी सुखद संबंध को ही राजयोग कहा जाता है।

उपरोक्त बातें ब्रह्माकुमारीज के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय

राजयोग शिविर के अंतिम दिन सुखी जीवन का आधार- दिव्य संबंध विषय पर व्याख्यान देते हुए मुंबई से पधारे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता प्रोफेसर ई वी गिरीश ने कही।

ज्ञात हो ब्रह्माकुमारीज द्वारा जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन विषय पर तीन दिवसीय राजयोग शिविर सद्भावना भवन धनुआ में रखा गया था।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर सच्चा बाबा आश्रम के मुख्य आचार्य डॉक्टर चंद्र देव मिश्रा एवं पुर्व शिक्षा मंत्री नरेंद्र सिंह गौर उपस्थित रहे। अनिल पटेल ब्लॉक प्रमुख चाका, दुर्गा प्रसाद पाल उप सचिव उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, वैज्ञानिक डॉ राजेश, कर्नल उपेंद्र कुमार शर्मा आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समापन सत्र में मनोरमा दीदी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को आगे के लिए ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में आकर राजयोग सीखने का आग्रह किया तथा अतिथियों ने मुख्य वक्ता प्रोफेसर ई वी गिरीश का सम्मान किया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एम पैक्स सदस्यता अभियान को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में एम पैक्स सदस्यता अभियान को लेकर जनपद स्तारीय कार्यशाला आयोजित की गई मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 बी के सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 बी के सिंह ने कहा कि प्रयागराज जनपद को 60000 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है लेकिन हम सबको मिलकर लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाना है जिससे प्रयागराज पूरे प्रदेश में सबसे अधिक सदस्य बनाने वाला जिला बन सकेइस अवसर पर जिला सदस्यता प्रभारी अमर नाथ यादव, जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, जिलाध्यक्ष महानगर संजय गुप्ता, डीसीएफ चेयरमैन अजय पांडेय, कामता प्रसाद सचिव मुख्य कार्यपालक अधिकारी इलाहाबाद डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, विवेक यादव सहायक आयुक्त निबंधक इलाहाबाद, सोमी सिंह उप आयुक्त उप निबंधक, शिवमोहन मौर्य अध्यक्ष इलाहाबाद डिस्ट्रिक कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड इलाहाबाद कौशांबी, संगीता पटेल, जिला मीडिया प्रभारी महानगर राजेश केसरवानी, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष केंद्रीय उपभोक्ता भंडार विमलेश पटेल ने किया।

यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कलेक्ट्रेट परिसरयूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन के शिक्षकों के लिए टेट की बाध्यता विषयक संशोधित अधिनियम पारित करने तथा सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने की मांग को लेकर प्रांतीय नेतृत्व के आवाहन पर यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने जिला संरक्षक हरिमोहन सिंह श्रीनेत के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि उच्चतम न्यायालय के द्वारा दिनांक 1 सितंबर 2025 को देश के लाखों शिक्षकों जिनकी सेवा के 20-25 वर्ष बीत चुके हैं, को भी आगामी दो वर्ष में टीईटी की परीक्षा उत्तीर्ण करने का आदेश पारित किया है । दो वर्ष में परीक्षा उत्तीर्ण न कर पाने वाले शिक्षकों को सेवा से विरत करने की बात भी कही है। ऐसी स्थिति में देश के 30 लाख से अधिक शिक्षक एवं उनके परिवार के सामने जीवन यापन का संकट दिखाई देने लगा है। जानकारी के अनुसार अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23(1) वो 23(2) में अधिनियम लागू होने की तिथि 23 अगस्त 2010 के पूर्व के नियुक्त शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण करने का निर्देश नहीं दिया गया है। एनसीटीई ने 23 अगस्त 2010 को शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता निर्धारित की है इसके अंतर्गत प्रशिक्षण के अतिरिक्त टीईटी को भी अनिवार्य बनाया गया किंतु इसी अधिसूचना की धारा 4 में यह प्रावधान किया गया की 23 अगस्त 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की आवश्यकता नहीं है । आरटीई के संशोधन अधिनयम 2017 में 31 मार्च 2015 को नियुक्त या कार्यरत सभी शिक्षक जिनके पास आरटीई एक्ट की धारा 23(1) के अनुसार न्यूनतम अहर्ता नहीं है को 4 वर्ष के अंदर योग्यता प्राप्त कर लेंने हेतु निर्देशित किया गया।

जबकि आरटीई एक्ट की धारा 23(1) के अनुसार 23 अगस्त 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की आवश्यकता नहीं है। उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य में यह स्पष्ट है कि 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखा गया है जबकि उच्चतम न्यायालय के 1 सितंबर 2025 के आदेश में समस्त शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण किए जाने के आदेश दिए गए हैं तथा 2 वर्ष में टीईटी उत्तीर्ण न करने पर सेवा समाप्ति की भी बात की गई है। देश के करीब 30 लाख से अधिक शिक्षकों एवं उनके परिवार के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आरटीई प्रभावी होने से पूर्व के नियुक्त प्रशिक्षित शिक्षकों को टीईटी से मुक्ति हेतु संशोधित अधिनयम जारी करवाकर भारत सरकार की तरफ से उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने हेतु अनुरोध किया देशभर के लाखों शिक्षक भुखमरी के कागार पर आ जायेगे।

ज्ञापन कार्यक्रम में यूटा जिलाध्यक्ष अभय कुमार पांडेय जिला महामंत्री प्रकाश नाथ त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष पंकज यादव, उपाध्यक्ष यशी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार पांडेय, जिला संगठन मंत्री नीरज सिंह, प्रवक्ता आनंद कुमार मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष खुनियांव कुलदीप भार्गव, जिला संयुक्त मंत्री दीप नारायण, रवि नाथ त्रिपाठी, अमित कुमार, मीडिया प्रभारी कुमार शिवम, जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह, महेंद्र कुमार पांडेय, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राधे श्याम वर्मा, महामंत्री अवधेश कुमार सिंह, विशिष्ट बीटीसी संघ के अध्यक्ष वकील प्रसाद, अटेवा अध्यक्ष बृजेश द्विवेदी, पीयूष जायसवाल, विजय कुमार, अंजुलता मिश्रा, राम कृष्ण शर्मा, रवि नाथ, मुकेश कुमार, नेबुलाल, अनिल कुमार, प्रमोद कुमार पांडेय, अबुबकर अंसारी, राजेन्द्र प्रसाद, मनोज कुमार, जाफर अली, अनिल सिंह, उपेंद्र कुमार, घनश्याम यादव, आदि सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जीएसटी की दरों में कटौती से लोगों को मिलेगी राहत, अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव होगा कम

सरकार की ओर से हाल में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के एलान से माना जा रहा था कि इससे आम लोगों को महंगाई से थोड़ी राहत मिलेगी। उनके पास पैसों की बचत होगी, जिसे वे अन्य जरूरी वस्तुएं जुटाने पर खर्च कर सकेंगे। मगर इससे पहले कि जीएसटी की नई दरें लागू होतीं, लोगों की जेब पर एक और शुल्क का बोझ पड़ गया है। आनलाइन माध्यम से भोजन की आपूर्ति करने वाली कुछ कंपनियों ने अपने मंच शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। यानी आनलाइन भोजन मंगवाना अब महंगा हो जाएगा। इसका असर देशभर के लाखों लोगों पर पड़ेगा।

माना जा रहा है कि 22 सितंबर से आपूर्ति शुल्क पर अठारह फीसद जीएसटी लागू होने पर आनलाइन भोजन मंगाने पर खर्च और बढ़ सकता है। ऐसे में यह सवाल भी अहम हो गया है कि सरकार ने जीएसटी सुधारों के तहत जो कदम उठाया है, क्या वास्तव में उसका लाभ उभोक्ताओं को मिल पाएगा या नहीं?

खबरों के मुताबिक, आनलाइन बुकिंग के माध्यम से भोजन परोसने वाली एक मुख्य कंपनी ने चुनिंदा बाजारों में अपना मंच शुल्क जीएसटी सहित पंद्रह रुपए कर दिया है। इसकी एक अन्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी ने भी अपना मंच शुल्क बढ़ाकर 12.50 रुपए (जीएसटी को छोड़कर) कर दिया है, जबकि एक अन्य कंपनी ने व्यापक उद्योग रुझानों के अनुरूप अपना मंच शुल्क संशोधित करके दस रुपए प्रति आर्डर कर दिया है। भोजन आपूर्ति कारोबार से जुड़े विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि 22 सितंबर से जब आपूर्ति शुल्क पर अठारह फीसद जीएसटी लागू हो जाएगा तो उपयोगकर्ताओं पर प्रति आर्डर लगभग दो रुपए से लेकर ढाई रुपए से ज्यादा तक अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि जीएसटी में बदलाव से भोजन तैयार करने की लागत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, इसलिए उपभोक्ताओं पर शुल्क का अतिरिक्त बोझ डालने का औचित्य समझ से परे है। ऐसे में इन कंपनियों द्वारा मंच शुल्क में एक साथ की गई बढ़ोतरी खाद्य वितरण क्षेत्र में महंगाई के बढ़ते रुझान को रेखांकित करती है, जिससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या लाखों ग्राहकों के लिए सामर्थ्य और सुविधा अब भी साथ-साथ चल सकती हैं?

सरकार का तर्क है कि जीएसटी दरों में कटौती और इनके सरलीकरण से न केवल आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि घरेलू मांग भी बढ़ेगी, छोटे और बड़े उद्यमों को ज्यादा अवसर मिलेंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा लोगों की आय बढ़ेगी, जिससे उनके खर्च की क्षमता भी बढ़ेगी। सरकार के इस फैसले को अमेरिकी शुल्क की चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दरअसल, सरकार का जोर घरेलू मांग और खपत बढ़ाने पर है।

कर में राहत से लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और इसके परिणामस्वरूप खपत में भी बढ़ोतरी होगी, जिससे अमेरिकी शुल्क का प्रभाव कम होगा। मगर यह तभी संभव होगा, जब जीएसटी दरों में कटौती का लाभ वास्तव में उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। अगर एक तरफ कर कम किया जाता है और दूसरी तरफ बढ़ा दिया जाता है तो जाहिर है कि मांग और खपत बढ़ने की उम्मीदों पर भी धुंधलका छाया रहेगा। ऐसे में सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी सुधारों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और जिन उत्पादों पर कर बढ़ा है, उसका बोझ सीधा उपभोक्ता पर न डाला जाए।

नेपाली संसद के सामने सरकार बनाम जेन जेड
फेसबुक-एक्स-यूट्यूब को लेकर युवाओं ने क्यों बवाल काट दिया?

हमारे पड़ोसी मुल्क नेपाल ने हाल ही में कुछ ऐसा काम कर दिया है कि दुनिया की निगाहें उसकी ओर खुद प खुद चली गई है। दुनिया में एक ओर जहां चीन, अमेरिका, रूस के बीच रस्साकस्सी चल रही है और सभी अपनी ताकत की आजमाइश में लगे हैं। भारत अमेरिका के साथ, भारत रूस के साथ, भारत चीन के साथ नए रिश्तों के आयाम तलाश रहा है। ऐसे में हमारे पड़ोसी मुल्क नेपाल ने एक कारनामा कर दिया। कारनामा ये कि उसने 26 सोशल मीडिया साइट्स को बैन कर दिया। इसमें फेसबुक, लिंकडइन, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सएप सब शामिल हैं। अब इतना बड़ा कदम उठा लिया गया। अब इतना बड़ा कदम उठाया गया तो इसकी प्रतिक्रिया भी देखने को मिल रही है। नेपाल की राजधानी काठमांडू की सड़कों पर आज जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिली। हजारों की संख्या में जेन-जी लड़के और लड़कियां सड़कों पर उतर आए। आपको सिलसिलेवार ढंग से बताते हैं कि नेपाल में सरकार ने सोशल मीडिया को लेकर क्या फैसला लिया। फैसला लेने के पीछे की वजह क्या है, युवाओँ की नाराजगी की वजह क्या है?

नेपाल में फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे 26 सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ब्लॉक होने से लोगों को अपने परिवारवालों से कनेक्ट करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल सरकार ने सभी कंपनियों को एक हफ्ते में रजिस्ट्रेशन करने का वक्त दिया था। 28 अगस्त डेडलाइन थी, लेकिन जिस रजिस्ट्रेशन नहीं किया, तो ब्लॉक कर दिया। गुरुवार

सुबह से लोगों को इन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करने में दिक्कत आने शुरू हुई। काठमांडू की रचना रोक्का कहती हैं कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर सख्ती से उन छोटे बिजनेस को नुकसान हो सकता है जो अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। वहीं नेपाल का प्रसिद्ध त्यौहार दसाई आने वाला है, आमतौर पर ये सीजन बिजनेस के लिए अच्छा माना जाता है।

दो हफ्ते पहले ही नेपाल के कोर्ट ने कहा था कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म को रजिस्टर होना ही चाहिए। सरकार का कहना है कि इसी फैसले के चलते दो दर्जन से ज्यादा प्लैटफॉर्म को कई बार रजिस्टर कराने के लिए कहा, उन्होंने नहीं किया, इसलिए ब्लॉक करना पड़ा। रजिस्ट्रेशन के बाद इन प्लैटफॉर्म के ऑपरेशन को बहाल कर दिया जाएगा।

नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय ने 2082.05.12 (नेपाली कैलेंडर के अनुसार) को एक पब्लिक नोटिस जारी कर सोशल मीडिया कंपनियों को सात दिन का समय दिया था। इस दौरान कंपनियों को मंत्रालय में रजिस्टर होना थ. उन्हें एक लोकल कॉन्टैक्ट पर्सन और कंप्लायंस ऑफिसर नियुक्त करना था और लोकल शिकायतों को संभालने के लिए मैकेनिज्म बनाना था। लेकिन तय समय में कंपनियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद नेपाल टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी को आदेश दिया गया कि ऐसे सभी प्लेटफॉर्म को नेपाल में ब्लॉक कर दिया जाए। हालांकि, अगर कोई कंपनी नियमों के अनुसार रजिस्ट्रेशन पूरा कर लेती है तो उसकी सेवाएं तुरंत बहाल कर दी जाएंगी।

केपी शर्मा ओली सरकार में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के उनके हालिया कदम के खिलाफ नेपाल में जेन जेड एक बड़े विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहा है। ऑनलाइन शुरू हुआ यह विरोध सोमवार को सड़कों पर भी फैल गया, जहाँ प्रदर्शनकारियों की संसद के पास पुलिस से झड़प हो गई। सुरक्षा बलों ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। हज़ारों युवा प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में 'जेन जेड क्रांति' नाम से एक प्रदर्शन किया। कई प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्रों में घुसकर पुलिस बैरिकेड्स तोड़ दिए। जैसे-जैसे झड़पें बढ़ती गईं, पुलिस ने कई जगहों पर गोलीबारी की, जिसके बाद अधिकारियों को राजधानी में कर्फ्यू लगाना पड़ा। प्रतिक्रियास्वरूप, प्रशासन ने संसद क्षेत्र तथा राजधानी के अन्य प्रमुख स्थानों पर कर्फ्यू लगा दिया, क्योंकि दिन के शुरुआती घंटों से ही स्थिति काफी अस्थिर हो गई थी। युवाओं के नेतृत्व में यह आंदोलन 4 सितंबर को सरकार द्वारा फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप और यूट्यूब सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ पंजीकरण न कराने के कारण ब्लॉक करने के निर्णय के बाद शुरू हुआ। हालाँकि सरकार का दावा है कि यह प्रतिबंध नियामक अनुपालन का मामला है, लेकिन प्रदर्शनकारी इसे आलोचनात्मक आवाज़ों और संगठित असहमति को दबाने के उद्देश्य से की गई सीधी सेंसरशिप कार्रवाई मानते हैं।

सरकार द्वारा लगाए गए फ़ोन और इंटरनेट ब्लैकआउट के बावजूद, जेनरेशन ज़ेड के कार्यकर्ताओं ने टिकटॉक और रेडिट जैसे वैकल्पिक प्लेटफ़ॉर्म का सहारा लिया। हज़ारों युवा प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए और सरकार और उसकी नीतियों के खिलाफ़ नारे लगाए। मार्च मैतीघर मंडला से शुरू हुआ और संसद भवन की ओर बढ़ा। जैसे ही प्रदर्शनकारी संसद के पास पहुँचे, पुलिस ने बैरिकेड लगा दिए, लेकिन गुस्साई भीड़ ने बैरिकेड तोड़ दिए, जिसके बाद अधिकारियों को आँसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और पानी की बौछारें करनी पड़ीं। अफरा-तफरी के बीच, कुछ प्रदर्शनकारी संसद परिसर में घुसने में कामयाब हो गए। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वीडियो और तस्वीरों में आँसू गैस के गोले हवा में लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि प्रदर्शनकारी पुलिस पर टहनियाँ और पानी की बोतलें फेंक रहे हैं। विश्लेषकों का तर्क है कि 'जेन ज़ेड क्रांति' नाम का यह आंदोलन भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता के खिलाफ बढ़ते गुस्से से उपजा है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के कदम ने अंतिम चिंगारी का काम किया, जिसने नेपाल के डिजिटल-प्रेमी युवाओं को ऑनलाइन जगहों से सड़कों पर उतरकर एक साहसिक और समन्वित प्रतिरोध प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

विकास की कहानियां प्रदर्शित करती दिखती हैं झांकियां
दुनिया को कूटनीति के तहत अपनी ताकत से परिचित कराना

प्रदर्शन के मूल में उन्नति होती है। यह भी मान सकते हैं कि प्रदर्शन से तरक्की का मार्ग प्रशस्त होता है। बढ़ने और इससे आगे बढ़ने की लालसा जीवन के क्रम हैं। जीवन में हर हाल में जागृति रहे, इसलिए प्रदर्शन होते रहने चाहिए। जागरूक व्यक्ति नई से नई राह पर चल कर एक से एक उपलब्धियां पा लेता है। ऊंचे से और ऊंचा बढ़ने को कृतसंकल्प रहता है। इसे ही सही विकास की राह पर चलना कहते हैं। विकास और उन्नति या तरक्की कोई अलग चीज नहीं, एक दूसरे के पर्याय हैं। शब्दों के मायाजाल पर मोहित होने की जरूरत तो नहीं है, लेकिन प्रदर्शन को शायद इसीलिए प्रगति सूचक कहा जाता है कि इसमें खुद को अभिव्यक्त किया जाता है।

किसी भी प्रदर्शन से पूर्व नई सकारात्मक सोच लानी होती है। सिर्फ अचानक ही आसमान की ओर देख लेने से कुछ नहीं होता। कम से कम अपने ऊपर आत्मविश्वास के स्तर को कुछ ऊंचा रखना पड़ता है। कुछ लोग उसे अहं के रूप में देख सकते हैं, लेकिन उसी आरोप को संभालना पड़ता है। शुरूआत में दृष्टि एक बिंदु पर न टिक कर इधर-उधर घूमती है, लेकिन सब कुछ देख लेने की फौरी जिज्ञासा इतनी प्रबल होती है कि जितना दिखता है, उससे और अधिक देख लेना चाहती है। इसे सृजक के नजरिए से देखा जा सकता है। दुनिया भर के सृजन के स्रोत ऐसे ही बनते हैं और बढ़ते जाते हैं। उमंगों की हिलोरों से एक खास उमंग जब उठती है ऊपर, तो वह आसमान को छू लेने की चाहत रखती है। इसे ही मुहावरे में कहा जाता है आसमान में छेद करना। यह मूलतः प्रदर्शन का परिणाम है। इसलिए यह आवश्यक है कि आगे बढ़ने की निरंतरता सदा बनी रहे।

आमतौर पर प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षिक प्रगति यानी 'प्रोग्रेस रिपोर्ट-कार्ड' बनाया जाता है, जिसे 'रिजल्ट कार्ड' या परिणाम-पत्र भी कहते हैं। इसे अच्छे-बुरे या उन्नति-अवनति का परिणाम प्रदर्शन-पत्र भी कह सकते हैं। यहां मुख्य उद्देश्य केवल प्रदर्शन से है। ये अक्सर जीवन में पथ-प्रदर्शक का कार्य कर जाते हैं। अनजाने में आई जटिलताओं का निवारण भी इन्हीं के आधार पर केंद्रित होता है।

आम जीवन में ही नहीं, बल्कि देश-विदेश की सरकारें भी स्वीकार्य प्रदर्शन करवाती हैं। अंतर इतना होता है कि कहीं दिखाने के लिए तो कहीं दूसरे को डराने-धमकाने के लिए ये प्रदर्शन किए जाते हैं। हालांकि प्रदर्शन कोरे प्रदर्शन नहीं होते, न ही ये मूक-बधिर होते हैं, बल्कि कुछ जागरूक लोगों की बुलंद आवाज में भी हो सकते हैं कि जिससे बड़े से बड़े सदन हिल जाते हैं। गहराई से देखा जाए तो शांतिपूर्ण प्रदर्शन से आपसी सौहार्द बना रहता है। टीवी पर एक पारिवारिक धारावाहिक में अलग-अलग जाति-धर्म-भाषा के परिवार हंसी-खुशी से रहते दिखाए जाते हैं। वे बात-बेबात लड़ाई-झगड़े भी करते हैं। फिर सुलह-दोस्ती कर एक सीध में हंसते हुए खड़े दिखते हैं। ये खड़े होने की उनका शैली ही खास प्रदर्शन है। इनके चेहरे दर्शकों की ओर मुंह किए हुए अर्ध-गोलाई में होते हैं।

बहरहाल, प्रदर्शन एक समान हो और उसका फल भी एक समान आए, यह तब संभव है जब एक समान शिक्षण-प्रशिक्षण हो, कोई भेदभाव न रखा जाए। बच्चों को एक स्कूल-परिधान पर्याप्त नहीं होते। उन्हें समान अवसर भी मिलना चाहिए। इसलिए कई विद्यालयों नें अपने विद्यार्थियों को अंग्रेजी के 'यू' अक्षर, यानी अर्धगोलाकार आकृति में बैठाना शुरू कर दिया है। इसके फलस्वरूप हर विद्यार्थी अपने शिक्षक के सामने होता है, उनसे सवाल-जवाब या बातचीत भी कर सकता है। इससे वह अपने शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर कर सकता है। एक-दूसरे के पीछे बैठने की मानसिकता कभी भी आगे, और आगे बढ़ने को प्रेरित नहीं करती।

सब जानते हैं स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस जैसे मौकों पर देश की जनता को संबोधित किया जाता है। यह भी सरकार की विविध उपलब्धियों के प्रदर्शन का ही मौका होता है। जनसमूह इसे देख-सुन कर मान भी लेता है। इस अवसर पर दुनिया को एक कूटनीति के तहत अपनी ताकत से परिचित भी कराना होता है। विभिन्न झांकियां विकास की कहानियां प्रदर्शित करती दिखती हैं। चूंकि प्रदर्शन विकास के संदर्भ में होते हैं, इसलिए कई लोगों के लिए इसका अध्ययन स्वाभाविक हो जाता है।

यों प्रदर्शन का इतिहास बहुत पुराना है। जहां तक लोकतांत्रिक प्रदर्शनों की बात है, इनकी जगहें बदलती रही हैं। जो प्रदर्शन कभी किसी शहर के केंद्र में हुआ करते थे, उनके लिए अब उसी शहर के किसी किनारे-कोने में जगह तय कर दी गई है। चूंकि बेबस जनता का मूल अधिकार होता है प्रदर्शन करना, अपनी बात को सरकार तक पहुंचाना, तो उधर जिम्मेदार सरकार का भी दायित्व बनता है इन प्रदर्शनों को संरक्षित और सुरक्षित रखना। जिस देश में प्रदर्शन जिंदा रहते हैं, वहां लोकतंत्र कभी मरता नहीं।

प्रदर्शन का दर्शन-शास्त्र समझने के लिए पीछे की ओर भी देखा जा सकता है। गांधीजी के लिखे को केवल याद करने से नहीं चलेगा, उन्हें संजीदगी से पढ़ने और समझने की जरूरत है। यह जानना चाहिए कि ब्रिटिश सत्ता के दौरान भारत ने गांधी जी की प्रेरणा से किस तरह अपनी स्वतंत्रता की मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया था और आखिरकार इन्हीं से निकले संदेशों के संकेत समझते हुए, अहिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए अंग्रेज यहां से चले गए। यानी प्रदर्शन की दिशा सकारात्मक हो, तो वह देश-दुनिया में स्थायी अध्याय की रचना कर सकता है।

नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक

मौजूदा नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थ भारत के सपनों को पंख लगाने वाला वह निर्णायक उपाय है जिसका सकारात्मक असर बहुत जल्द ही देश-दुनिया पर दिखाई पड़ेगा। बता दें कि 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक, जो गत 3 सितम्बर 2025 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित हुई, ने नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों की घोषणा की। जिसके दृष्टिगत यह कहा जा सकता है कि यह भाजपा सरकार का एक साहसिक, ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है, जिसने भारत की आधुनिक आर्थिक क्रांति के निर्माता के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत किया है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक लाल किले के संबोधन में घोषित और आगामी 22 सितम्बर 2025 अर्थात नवरात्रि के पहले दिन से लागू होने वाले ये सुधार वास्तव में 140 करोड़ भारतीयों के लिए राहत और समृद्धि का पर्व हैं। ऐसा इसलिए कि भाजपा नीत एनडीए के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने पुराने जटिल कर ढांचे को सरल बनाकर नागरिकों के अनुकूल 2-स्लैब संरचना में बदल दिया है। इसके तहत आवश्यक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और सामान्य वस्तुओं और सेवाओं पर 18 प्रतिशत और केवल विलासिता एवं हानिकारक वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है। इस प्रकार से यह वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार है।

ऐसा होने से दैनिक आवश्यक वस्तुएँ, जैसे- दूध, चावल, आटा, चाय, दही, किताबें और भारतीय रोटियाँ अब या तो कर-मुक्त हैं या सिर्फ 5 प्रतिशत पर कर लग रहा है। यह पीएम मोदी जी की गरीब और मध्यम वर्ग के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है ताकि कोई भी भारतीय परिवार अपनी रोज़मर्रा की जरूरतों से बोझिल न हो। यह भाजपा सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की प्रतिबद्धता का दोहराव भी है।

खास बात यह है कि अब स्वास्थ्य सेवाएँ भी सुलभ हुई हैं। क्योंकि सभी स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियाँ कर-मुक्त कर दी गई हैं और जीवनरक्षक दवाओं पर भी जीएसटी शून्य कर दिया गया है। इस प्रकार भाजपा नीत एनडीए सरकार ने आम आदमी के दुःख-दर्द के प्रति अपनी जो गहरी संवेदनशीलता दिखाई है और संकट की घड़ी में गरिमा और राहत सुनिश्चित की है, वह सराहनीय है। लगता है कि सरकार पर आरएसएस का बौद्धिक दबाव काम कर गया है।

आपको पता है कि किसान वर्ग जो भारत की रीढ़ समझे जाते हैं, सुधारों के केंद्र में हैं। उनके फायदे के लिए ही ट्रैक्टर, सिंचाई प्रणालियों, खाद और कीटनाशकों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे खेती की लागत घटेगी और ग्रामीण समृद्धि बढ़ेगी। इससे स्पष्ट हो गया है कि यह लोकहितैषी सरकार वास्तव में किसानों के साथ खड़ी है।

वहीं, गृहिणियों और परिवारों को भी इस जीएसटी सुधार से सीधा लाभ मिला है। क्योंकि साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट, साइकिल, रेफ्रिजरेटर, टीवी और वॉशिंग मशीन जैसी घरेलू वस्तुएँ अब सस्ती होंगी। इस प्रकार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने यह कर दिखाया है कि वह हर भारतीय परिवार के सरल जीवन यापन (इज ऑफ लिविंग) की परवाह करती है और टैरिफ के मामले में अमेरिकी झटका लगने के बावजूद वह जनकल्याण को समर्पित है। यह आम भारतीयों के लिए सौभाग्य की बात है। आरएसएस-भाजपा जैसे जमीनी संगठनों से ऐसे ही सकारात्मक बदलाव की उम्मीद साल 2014 से ही की जा रही थी, जो अब जाकर पूरी हुई है।

इस जीएसटी सुधार से युवा आकांक्षाओं की पूर्ति होने में भी मदद मिली है, क्योंकि छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी में कटौती से वे पहली बार खरीदारों के लिए सस्ती होंगी। वहीं, इनकी बढ़ती मांग से रोजगार भी पैदा होंगे, जो मोदी जी की युवा सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वहीं, हालिया बदलाव से तेज रफ्तार अवसंरचना विकास को भी बल मिलेगा, क्योंकि सीमेंट पर कर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे आमलोगों के घरों की लागत कम होगी और खास लोगों को भी अतिरिक्त बचत का मौका मिलेगा। इससे निकट भविष्य में अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की गति बढ़ेगी, जिससे लाखों रोजगार सृजित होंगे। बताते चलें कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अवसंरचनात्मक विकास सिर्फ नीति नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण का मजबूत मिशन भी है।

अर्थशास्त्रियों की राय है कि मौजूदा अभूतपूर्व जीएसटी बदलाव से एमएसएमई रोजगार की रीढ़ समझे जाने वाले छोटे छोटे व्यवसायों को भी काफी लाभ मिलेगा। इससे उनको आशातीत विकास का अवसर मिला है। वहीं, जीएसटी के सरल अनुपालन, एआई आधारित निगरानी और तेज़ रिफंड से कांग्रेस के लंबे उपेक्षा काल के बाद, भाजपा सरकार ने इन्हें नवाचार, विस्तार और मजबूती दी है, जो सराहनीय पहल बताई जा रही है।

कहना न होगा कि ये सभी सुधार सीधे तौर पर भाजपा की आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं का पूरक समझी जाती हैं। इसलिए लागत घटाकर और लालफीताशाही कम करके पीएम मोदी जी ने दिखाया है कि सुधार सिर्फ नारे से नहीं बल्कि वास्तविक कार्रवाई की वजह से आती हैं।

मौजूदा जीएसटी सुधार से कपड़ा और उर्वरक उद्योग, जो लंबे समय से उल्टे कर ढांचे से जूझ रहे थे, को भी लाभ मिलेगा, क्योंकि अब उन्हें भी जीएसटी दरों के युक्तिकरण से सीधा लाभ मिलेगा। इस प्रकार यह न सिर्फ उद्योग को बढ़ावा देता है बल्कि भाजपा की निर्णायक और उत्तरदायी शासनशैली को भी दर्शाता है।

सरकार की इस पहल से मध्यम वर्ग का भी सशक्तिकरण होगा। ऐसा इसलिए कि कांग्रेस, जिसने मध्यम वर्ग को टैक्स मशीन की तरह इस्तेमाल किया, उसके विपरीत भाजपा नीत एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उन्हें बेमिसाल राहत दी है, क्योंकि अब आवश्यक वस्तुएँ कर-मुक्त हैं और आकांक्षी वस्तुएँ सस्ती। इससे कारोबार में भी इजाफा होगा। वहीं, जीएसटी सरलीकरण से भारत की लॉजिस्टिक लागत कम हुई है, जिससे भारतीय वस्तुएँ वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनी हैं। एक बार फिर, भाजपा के जीएसटी सुधारों ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दृष्टि को साबित किया है।

महत्वपूर्ण बात यह कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (उएऊँऊ) दिसंबर 2025 तक शुरू किया जाएगा। इसके लिए भाजपा सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि वर्षों से झेली जा रही परेशानियों का अंत हो और व्यवसायों को न्याय, पारदर्शिता और तेज़ समाधान मिले। जहां तक महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण का सवाल है तो सरल जीएसटी और आसान क्रेडिट पहुँच से महिला नेतृत्व वाले एमएसएमई को विस्तार, रोजगार और नवाचार का अवसर मिलेगा। यह प्रधानमंत्री मोदी जी की 'नारी शक्ति भारत की प्रगति की चालक है' वाली सोच से जुड़ा है।

जहां तक इस सामूहिक सरकारी फैसले के सामूहिक आर्थिक प्रभाव का सवाल है तो नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों से जीडीपी में 1-1.2 प्रतिशत की वृद्धि और महंगाई में 1 प्रतिशत से अधिक की कमी का अनुमान है। यह भाजपा सरकार की विकास और स्थिरता के संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। सवाल है कि जब दुनिया मंदी से जूझ रही है, तब भाजपा शासन में भारत 7.8 प्रतिशत की दर से सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की निर्णायक और दूरदर्शी शासनशैली का प्रमाण है। ऐसे में कहना न होगा कि यूपीए बनाम एनडीए का फर्क अब साफ महसूस किया जाएगा। क्योंकि यूपीए के दौर में जहां आटा, चावल और चाय पर वैट लगाया जाता था; वहीं अब एनडीए सरकार में वे कर-मुक्त हैं। स्पष्ट है कि कांग्रेस ने केवल वादे किए, जबकि भाजपा ने वास्तविक परिवर्तन लाकर दिखाया। और अंततः यह कहना समीचीन होगा कि नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र-निर्माण की तेज रफ्तार के परिचायक बन चुके हैं। ये पहल हर नागरिक को राहत, हर उद्योग को प्रोत्साहन देते हैं और भारत को 'विकसित भारत 2047' के सपने के और करीब ले जाते हैं। इस प्रकार यह महसूस किया जा सकता है कि देश में एक ही पार्टी की डबल इंजन सरकार और ट्रिपल इंजन सरकार बनने से विकास अब धरातल पर पहुंच चुका है। यह गरीबों की झोपड़ियों में भी बहुत जल्द ही दिखाई देने वाला है।

डीएम ने 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश॔2047' अभियान के सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

उत्तर प्रदेश के विकास हेतु रोड-मैप पर विभिन्न समूहों से चर्चा कर लिया जाएगा फीडबैक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश॔2047' दो दिवसीय अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर व मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल ने विकास भवन सभागार में बैठक कर उपस्थित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि शासन के मंशानुसार प्रधानमंत्री की एक दूरदर्शी पहल विकसित भारत॔2047 के द्वारा भारत को॔2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप मे स्थापित करने के उद्देश्य से समावेशी विकास, तकनीकी नवाचार और सतत प्रगति के मिशन को आधारित किया गया है। उन्होंने बताया की उपरोक्त के क्रम में विकसित भारत ॔2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को वर्ष॔2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस मिशन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक समृद्ध, समान और वैश्विक स्तर पर सम्मानित राज्य का निर्माण किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवं पथ प्रदर्शन हेतु एक विजन डॉक्यूमेंट बनाया जाना प्रस्तावित है। यह विजन डॉक्यूमेट 03 थीम-अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति एवं 12 सेक्टर-कृषि एवं सम्बद्ध, पशुधन सरक्षण, औद्योगिक विकास आई0टी0 एवं इमर्जिंग प्रौद्योगिक, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट के निर्माण की दिशा में समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश॔2047 प्रारभ किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करना तथा नागरिकों की आकांक्षाओं को संज्ञान में लेते हुये प्रदेश के नागरिकों को राज्य के विकास में सहयोगी व सहभागी बनाते हुये गर्व की भावना को विकसित करना है।

इस संकल्प की प्राप्ति में प्रदेश के प्रबुद्धजनों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। उनके द्वारा अर्जित विभिन्न क्षेत्रों में नीतियों की व्यवहारिक समझ एवं अनुभव तथा प्रशासनिक दक्षता प्रदेश की विकास की रणनीति के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। इसके दृष्टिगत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों यथा प्रशासनिक (सेवानिवृत्त, आई0ए0एस0)/पुलिस (सेवानिवृत्त आई0पी0एस0)/वन सेवा/कृषि/सिंचाई/शिक्षा/स्वास्थ्य/वैज्ञानिक/अभियन्त्रण आदि शासकीय सेवाओं से सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों/प्रबुद्धजनों की उनकी सहमति के आधार पर चयन करते हुये जनपद आवंटित किया गया है। शासन द्वारा जनपद भदोही हेतु नामित प्रबुद्धजन-सर्वज्ञराम मिश्र, सेवानिवृत्त

आईएएस, चतुर्भुजीनाथ, सेवानिवृत्त आईएफएस, डॉ0बी पाण्डेय, सेवानिवृत्त कुलपति एवं डॉ0 उमेश चन्द्रा प्राध्यापक है।

उल्लेखनीय है कि चयनित प्रबुद्धजनों की लखनऊ में आयोजित एक दिवसीय ओरिएंटेशन/उन्मुखीकरण कार्यशाला में मुख्यमत्री के मार्गदर्शन के उपरान्त आवंटित जनपदों में 02 दिवसीय 10 एवं 11 सितम्बर, 2025 प्रवास कर 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश॔2047' अभियान की जन-जागरूकता हेतु विभिन्न लक्षित समूहों (छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, कृषक, स्वय संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया, आम जनमानस इत्यादि) के साथ विगत 08 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये राज्य के विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा की जाएगी तथा उनसे फीडबैक प्राप्त किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने उक्त के दृष्टिगत जनपद एवं विकास खण्ड स्तर के समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद एवं विकास खण्ड स्तर पर आयोजित होने वाले समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश॔2047 अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन करना सुनिश्चित करें। जनपद में आयोजित होने वाले समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश॔2047 अभियान के लिए 10 सितंबर को प्रथम सत्र में विकासखंड ज्ञानपुर के अंतर्गत केएनपीकॉलेज सभागार के लिए नामित नोडल अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी , द्वितीय सत्र कलेक्ट्रेट सभागार में नोडल उपायुक्त उद्योग व उपायुक्त स्वतरू रोजगार, और 11 सितंबर को विकासखंड औराई के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र बेजवा में नामित नोडल अधिकारी उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी की देखरेख में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जाएगा।

छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, कृषक, स्वयं सेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया, आम जनमानस इत्यादि के साथ विगत 8 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए राज्य के विकास हेतु रोड-मैप पर चर्चा की जाएगी तथा उनसे फीडबैक प्राप्त किया जाएगा।

भ्रमण के उपरान्त प्रबुद्ध जन द्वारा जनपद में विभिन्न समूहों के साथ चर्चा में आये प्रमुख सुझावों पर संक्षिप्त टिप्पणी/नोट नियोजन विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा। समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश॔2047 पर अधिक से अधिक नागरिकों का फीड बैंक प्राप्त करने हेतु पोर्टल विकसित किया गया है, जिसपर क्यूआर कोड के माध्यम से फीडबैक दिया जा सकेगा। इस पोर्टल को कंप्यूटर/मोबाईल के माध्यम एक्सेस किया जा सकता है। फत् कोड को स्कैन करने पर पोर्टल पर लाग इन किया जा सकेगा। प्रतिभागियों को विषय का चयन कर अपना विचार प्रस्तुत करना रहेगा। चुनिन्दा विचारों को विकसित उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय रणनीति में शामिल किया जाएगा। इस विषय में प्रयास रहेगा कि प्रदेश के प्रत्येक परिवार से कम से कम एक फीडबैक प्राप्त किया जाए।

इस अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार सूचना विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। जनपद / तहसील /विकास खंड पर होर्डिंग लगायी गई है जिनमें फीडबैक हेतु क्यूआर कोड अंकित है।जनपद के प्रमुख संगठनो यथा उद्योग/व्यापारी/अन्य प्रोफेशनल संगठनो के साथ चर्चा किया जाएगा । जनमानस से अधिक से अधिक फीडबैक प्राप्त किये जाने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन कार्यशाला में समस्त जनपदवासी सादर आमंत्रित हैं।

भदोही में पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का ईनामी गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले में सोमवार की रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बदमाश ने दो माह पहले एक महिला का मंगलसूत्र लूटकर पुलिस को चुनौती दी थी। सोमवार की रात मुठभेड़ में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक करीब दो माह पहले भदोही कोतवाली क्षेत्र में एक विवाहित महिला दवा लेने ई रिक्शा से जा रही थी, रास्ते में आरोपी किशन ई रिक्शा पर सवार हो गया। थोड़ी दूर जाकर उसने रिक्शा रुकवाया और उतरने के बाद महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया. तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने

बताया कि बदमाश किशन पर 25 हजार का इनाम घोषित था। बीती रात मुखबिर से सूचना मिली कि वह इलाके में बदमाश दिखाई दिया है। पुलिस ने चेकिंग अभियान शुरू किया। जब पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो किशन ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। फायरिंग में बदमाश किशन गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। किशन के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल उसके द्वारा की गई अन्य घटनाओं की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

जोखिम गर्भवती महिलाओं को जांच कर वितरण किया गया फल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा पर उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं का खूनपेशाब ब्लड प्रेशर प्रोटीन सहित विभिन्न प्रकार की जांच की गई तथा अल्ट्रासाउंड हेतु ईरूपी वाउचर जनरेट किया गया जिससे लाभार्थी महिलाओं का मुफ्त में अल्ट्रासाउंड किया जा सके इस मौके पर अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा डॉक्टर अभिषेक नाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को फल एवं नाश्ते का वितरण किया गया इस मौके पर डॉ विपिन कुमार यति डॉक्टर श्रुति कीर्ति डॉक्टर रेनू गुप्ता मौजूद रही।

वीन परिदृश्य में शिक्षकों की जिम्मेदारी अधिक, राष्ट्र निर्माण में भूमिका अहम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मंगलवार शिक्षक राष्ट्र निर्माता है, और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, इसलिए उनको निरंतर प्रगतिशील विचारों से समृद्ध रहना चाहिए। यह विचार एफ एल एन और एन सी ई आर टी पाठ्य पुस्तक आधारित प्रशिक्षण के पांचवे और अंतिम बैच के अंतिम सत्र को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी सुरियावां श्रीमान यशवंत सिंह ने व्यक्त किए।सभी प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षामित्रों का यह प्रशिक्षण पांच दिवसीय था और पांच बैचों में चला।प्रशिक्षण में कक्षा 3 की नवीन पाठ्य पुस्तकों वीणा 1, गणित मेला, और अंग्रेकी नई पाठ्य पुस्तक संतूर पर समझ विकसित की गई। भाषा और गणित के प्रशिक्षण में ए आर पी मनोज कुमार और भैरवानंद यादव द्वारा मौखिक तर्कशीलता, ब्लेंडिंग , प्रवाहपूर्ण पठन, और प्रक्रियात्मक प्रवाह जैसे विषयों पर प्रकाश डाला गया। ए आर पी भास्कर मिश्र और प्रशिक्षक भोलानाथ द्वारा कक्षा 4 और 5 में उपचारात्मक शिक्षण, और संतूर के महत्वपूर्ण विषयों पर समझ विकसित की गई। ए आर पी देवेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा निपुण लक्ष्यों के संशोधन और

आई के एस पर चर्चा करते हुए अध्यापकों से निपुण विद्यालय और निपुण ब्लॉक बनाने के लिए शपथ दिलवाई गई।एल एल एफ के ब्लॉक संयोजक लाल चंद्र यादव द्वारा प्रतिदिन के प्रशिक्षण में सहायक सामग्रियों की उपलब्धता , और प्रेरणागीत और दैनिक प्रतिवेदन पर महत्वपूर्ण सहयोग दिया गया।प्रशिक्षण के समापन पर जिला आदर्श शिक्षक डॉ ओम प्रकाश मिश्र, प्रमोद सिंह, संजय मिश्र, पंकज उपाध्याय, साधना निगम, विकास सिंह, जितेंद्र कुमार, दिवाकर मिश्र , मीना कुमारी, सहित 47 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण समापन के अवसर पर धन्यवान ज्ञापन ए आर पी देवेन्द्र कुमार मिश्र द्वारा दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मंगलवार को मुख्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष चक के आदेश के क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावा के अंतर्गत अनुपीकॉलेज कैडा सुरियावा एवं सेवा सदन इंटर कॉलेज मोढ मे अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर वायु प्रदूषण से कैसे बचे के बारे में विस्तृत जानकारी मेडिकल टीम द्वारा छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित स्टाफ दी गई एवं छात्र-छात्राओं की प्रतियोगिता कराई गई प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सर्टिफिकेट का वितरण किया गया।

जनपद में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिले में भारत सरकार द्वारा 01 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक चलाये जा रहे वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत जिले में औराई ब्लॉक में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सुनील कुमार दास, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक लखनऊ, सहायक पुलिस अधीक्षक, भदोही शुभम अग्रवाल, डी0डी0 एम0 नाबार्ड राम अवध यादव, खण्ड विकास अधिकारी, औराई दिलीप कुमार पासी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज से मुख्य प्रबन्धक अभिषेक कुमार व राकेश कुमार (वित्तीय समावेशन विभाग, प्रयागराज), आरसेटी निदेशक-भदोही भारद्वाज उपाध्याय, अग्रणी जिला प्रबन्धक भदोही अमित कुमार गुप्ता, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शाखा औराई के शाखा प्रबन्धक गौरव कुमार अग्रवाल, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शाखा औरंगाबाद के शाखा प्रबन्धक नीरज कुमार, वित्तीय परामर्शदाता विनीत सिंह, सी0एम0फ़ेलो डा0 मधु शास्त्री एवं आरबीआई के निर्देशानुसार वित्तीय परामर्श दाता आरोह फाउंडेशन के डी0सी0 रमेश बागी एवं उनकी टीम उपस्थित रहे।

विशेष वित्तीय साक्षरता शिविर में ग्रामीणों को भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं यथा-प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), अटल पेंशन योजना (एपीवाई) और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, ग्रामीणों को इन योजनाओं के साथ अपने खातों को जोड़ने और री-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, आरबीआई के उप महाप्रबंधक सुनील कुमार दास ने वित्तीय समावेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण भारत में डिजिटल लेनदेन, सामाजिक सुरक्षा बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी से न केवल वित्तीय सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगा। उन्होने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाएं । सहायक पुलिस

अधीक्षक, भदोही, शुभम अग्रवाल ने साईबर फ्रॉड से रोकथाम एवं शिकायत निवारण प्रणाली के अंतर्गत विशेष डायल नंबर 1930 से ग्रामीणों को अवगत कराया और किसी भी साइबर फ्राड की स्थिति में प्रथम सूचना 1930 पर देने का आग्रह किया। इसके बाद, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज से अभिषेक कुमार (मुख्य प्रबन्धक ने री-केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) के लाभों पर जोर दिया और ग्रामीणों से इस संतृप्ति अभियान के तहत री-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने का अनुरोध किया। सुनील कुमार दास, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक लखनऊ ने ग्रामीणों को उनके खातों और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने के तरीकों के बारे में जानकारी दी एवं आज के तकनीकी युग में डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के बारे में जागरूक किया। अंत में अग्रणी जिला प्रबन्धक भदोही अमित कुमार गुप्ता ने आए सभी अतिथि गण एवं ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापन किया ।

बैंक अधिकारियों, व्यवसाय संवाददाताओं और विभिन्न बैंकों के बैंक मित्रों ने कैंप में सक्रिय रूप से भाग लिया। खातों के लिए केवाईसी अपडेट तुरंत किए गए और कई ग्रामीणों को नए बैंकिंग योजनाओं से जुड़ने का लाभ मिला।

पीस कमेटी के साथ आगामी त्यौहारों को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने हेतु डीएम व एसपी की अध्यक्षता में हुई बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी त्यौहार शारदीय नवरात्रि, दुर्गापूजा/दशहरा, रामलीला, दीपावली, गोबर्धन पूजा, छठ पूजा आदि की तैयारियों के दृष्टिगत आयोजको, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों, जनता जनार्दन, अधिकारियों के साथ पीस कमेटी बैठक का आयोजन कलेक्टेट्ट सभागार में किया गया।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने पीस कमेटी में आयोजको, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों, जनता जनार्दन से परिचय प्राप्त करते हुए उनके समस्याओं व सुझावों से अवगत हुए। अधिकारी द्वय द्वारा उक्त त्यौहारों को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, अधिशासी अभियन्ता विद्युत विभाग, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय, थानाध्यक्ष को निर्देशित करते हुए कहा कि रामलीला आयोजको, दुर्गापूजा पण्डाल व्यवस्थापकों, पदाधिकारियों के साथ मीटिंग करते हुए आयोजन स्थल व रूट पर पैदल भ्रमण करते हुए सभी आवश्यक बिन्दुओं को नोट कर उसका तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि परम्परागत जो आयोजन जिस रूप में अनवरत चले आ रहे है उसी रूप में होगें। किसी भी नई परम्परा/परिपार्टी की शुरूवात नही होगी। उन्होंने गंगा जमुनी तहजीब के प्रवाहक भदोहीवासियों से सभी पर आपसी प्रेम सौहार्द व भाई चारे के साथ मनाने की अपील की।

जिलाधिकारी ने सभी पूजा पण्डाल आयोजको/व्यवस्थापकों को स्पष्ट निर्देशित किया कि पण्डाल बनाने में कही भी प्लास्टिक, थर्माकोल, पोलिथीन, चमकीली पन्नी, या जल्द आग पकड़ने वाली किसी भी समाग्री का प्रयोग किसी भी कीमत पर नही किया जायेगा। भीड़ के दृष्टिगत प्रवेश व निकासी द्वार अलग-अलग बनाये। फायर सेफ्टी के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं को अपनाये।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि जनपद के सभी रामलीला कमेटियों व दुर्गापूजा पण्डाल आयोजको को आयोजन हेतु अनुमति पत्र लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत पुलिस व प्रशासनिक स्तर पर की गयी तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में सख्त निर्देश दिए। कोई भी पूजा पण्डाल या धार्मिक आयोजन सर्वाजनिक मार्ग बाधित करके न हो, सर्वाजनिक मार्ग बाधित होने की दिशा में पण्डाल को थोडा इधर-उधर शिफ्ट कर लिया जाए, जिससे आने वाले दर्शनार्थियों को अवागमन के दृष्टिगत कोई अवरोध न पैदा हो। बारिश के दृष्टिगत पूजा पण्डाल के ऊपर वाटर शेड, विद्युत वायरिंग खुला न हो, पण्डाल के उपर विद्युत तार न हो, पण्डाल के पीछे विद्युत प्रकाश व पानी का ड्रम रखना सुनिश्चित करें। आयोजन स्थलों पर दर्शनार्थियों के आने-जाने का अलग-अलग बैरिकेटिंग हो, हो सके तो महिलाओं के आने जाने के लिए एक अलग क्लोजर की व्यवस्था हो। आयोजक व वॉलेटियर्स आई कार्ड अवश्य पहने, हो सके तो एक अलग डेट्ठ्स कोड पहने जिससे दर्शनार्थियों को कोई समस्या होने पर वालेटियर्स को तत्काल बता सके।

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी व पुलिस उपाधीक्षक को निर्देशित किया कि विगत वर्षो में आयोजन स्थलों मार्गो, मूर्ति रखने, रामलीला मंचन करने के सन्दर्भ में कोई विवाद हुआ हो तो उसको रोड भ्रमण करते हुए प्रबुद्धजनों के साथ आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने भदोहीवासियों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन व पुलिस आपके सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने जनपद के सभी डीजे संचालकों को निर्देशित किया कि निर्धारित ध्वनि सीमा तक ही डीजे साउण्ड का प्रयोग करें। नियमों का उल्लघन करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल ने दुर्गापूजा आयोजको को सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों से अवगत करते हुए बताया कि कोई भी मूर्ति विसर्जन नदी में न होकर चिन्ह्ति तालाब या नहर में ही सुनिश्चित करें। विसर्जन के समय विद्युत तारो से घटना के सुरक्षा के दृष्टिगत बिजली विभाग व अधिशासी अधिकारी कार्यालय के एक-एक कर्मचारी प्रत्येक थानों से सम्बन्धित रहकर सकुशल शान्तिपूर्ण सम्पन्न करायेंगे।

पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल द्वारा आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत रामलीला मंचन, दूर्गापूजन पण्डाल, विजयदशमी त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत सभी आवश्यक बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए आयोजको को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि त्यौहारों में असमाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनपद के सभी संवेदनशील स्थलों एवं मिश्रित बस्तियों में लगातार मॉनिटरिंग करते हुए अनवरत संवाद करने का निर्देश दिए। किसी भी सम्भावित स्थितियों की संज्ञानता में तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। पीस कमेटी बैठक में पूजा पण्डाल, आयोजकों/व्यवस्थापकों, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों, जनता जनार्दन ने आयोजन विषयक समस्या व सुझाव को इगिंत किया। इस अवसर पर ज्ञानपुर चेयरमैन डॉ0 घनश्यामदास गुप्ता, भदोही पूर्व चेयरमैन अशोक जायसवाल व अन्य आयोजको सहित, समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, समस्त अधिशासी अधिकारी, व सम्बन्धित जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

ऑपरेशन सिंदूर 4 दिनों में ही क्यों खत्म हो गया? आर्मी चीफ ने बताई वजह और युद्ध लड़ने के लिए तीन अहम पहलू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मई 2025 में भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद कई सवाल उठे कि यह सैन्य कार्रवाई महज चार दिनों में ही क्यों समाप्त हो गई। मंगलवार को थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इन सवालों का जवाब देते हुए युद्ध की अनिश्चितता और इसके पीछे के रणनीतिक पहलुओं को स्पष्ट किया। एआईएमए के 52वें नेशनल मैनेजमेंट कन्वेंशन में बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, 'हममें से ज्यादातर लोग यही कह रहे थे कि यह युद्ध चार दिन के टेस्ट मैच की तरह क्यों खत्म हो गया? हमें नहीं पता था कि यह संघर्ष कितने दिन चलेगा।' उन्होंने बताया कि सशस्त्र बल इस बात को लेकर अनिश्चित थे कि ऑपरेशन कितने समय तक चलेगा।

उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि रूस ने शायद अपनी योजना में गलत गणना की थी। शुरुआत में माना गया था कि यह युद्ध 10 दिनों में खत्म हो जाएगा, लेकिन यह लंबा खिंच गया। वहीं, ईरान-इराक युद्ध 10 साल तक चला। जनरल द्विवेदी ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमें नहीं पता था कि यह कितने दिन चलेगा। युद्ध हमेशा अनिश्चित होता है।'

आधुनिक युद्ध में कम लागत वाली उन्नत तकनीक की भूमिका पर जोर देते हुए जनरल द्विवेदी ने डेविड और गोलियथ सिद्धांत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'कम लागत वाली उन्नत तकनीक किसी बड़े और ताकतवर विरोधी को भी मात दे सकती है।' उन्होंने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भी ऐसी तकनीकों का प्रभाव देखा गया।

थलसेना प्रमुख ने बल की सुरक्षा को युद्ध का एक महत्वपूर्ण पहलू बताया। उन्होंने कहा, 'हमें दुश्मन के हमलों को झेलने और उसके बाद प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम होना चाहिए।' इसके साथ ही, उन्होंने तकनीकी उन्नति और आत्मनिर्भरता पर बल दिया। 'जैसे-जैसे दुश्मन अपनी तकनीक को बेहतर बनाता है, हमें अपनी क्षमताओं को और मजबूत करना होगा। आत्मनिर्भरता इस दिशा में सबसे अहम कदम है।'

7 मई 2025 को शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले का जवाब था, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पाकिस्तानी बलों के जवाबी हमलों के बाद भारतीय सेना ने पलटवार किया, जिसके चलते यह संघर्ष चार दिनों तक चला। 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच समझौते के बाद सैन्य कार्रवाई रोक दी गई। जनरल द्विवेदी के बयान ने न केवल ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति को स्पष्ट किया, बल्कि भविष्य के युद्धों में तकनीक, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की अहमियत को भी रेखांकित किया।

'एहसान हुसैन' ने 'प्रिया शर्मा' को बनाया 'खुशबू खातून', धर्मांतरण का खौफनाक खेल

पहले प्रेमजाल में फंसाया, फिर जबरन कराया निकाह, मां ने छुड़ाया

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की नोएडा पुलिस ने प्रलोभन और धमकी देकर एक महिला का धर्म परिवर्तन कराने के मामले में मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुख्य आरोपी राजा मियां उर्फ एहसान (23), उसके पिता बिस्मिल्लाह मियां (65) और मां अनीशा बेगम (50) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है और इस मामले में फरार दो अन्य आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई महिला के पति शिवम शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका से जुड़ी है। जिसमें उन्होंने अपनी गुमशुदा पत्नी की

तलाश का अनुरोध किया था। पुलिस ने बताया कि गढ़ी चौखंडी गांव निवासी शर्मा की पत्नी इसी साल मई में लापता हो गई थी, जिसे बाद में पुलिस ने चेन्नई (तमिलनाडु) से बरामद कर लिया था।

इससे पहले, थाना फेज-तीन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया था, 'महिला ने खुलासा किया कि गाजियाबाद के बहरामपुर गांव में किराए पर रहने वाला बिहार के सिवान जिले का मूल निवासी राजा उर्फ एहसान उसे प्रेमजाल में फंसाकर भगा ले गया था। महिला ने धर्म परिवर्तन कर एक मई 2025 को राजा से निकाह कर लिया। उन्होंने बताया, ''राजा, उसके पिता बिस्मिल्लाह, मां अनीशा बेगम और भाई इरशाद ने प्रलोभन और धमकी देकर महिला का धर्म परिवर्तन कराया और निकाह करवाया।

निकाहनामा की छायाप्रति देखने पर यह पाया गया कि महिला के पिता का नाम फर्जी लिखा गया है। साथ ही, राजा ने अपनी मां को महिला की फूफी और अपने भाई को महिला का भाई बताया था। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में राजा, इरशाद, बिस्मिल्लाह, अनीशा बेगम और काजी मोहम्मद अजीमुद्दीन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हनुमान मंदिर पर भंडारा बना मुसीबत!

उल्टी, दस्त और पेट दर्द के बाद 100 से ज्यादा ग्रामीण अस्पताल पहुंचे; गांव में फैली दहशत

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कासगंज जिले के सिढपुरा ब्लॉक के कायमपुर गांव में भंडारे का बचा हुआ खाना ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गया। सोमवार को भोजन करने के बाद अचानक गांव के करीब 100 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत के बाद सभी को आनन-फानन में अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

कायमपुर गांव स्थित हनुमान मंदिर पर धार्मिक कथा के समापन पर रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग 5000 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सोमवार को बचे हुए भोजन को गांव में दोबारा वितरित किया गया, जिसे खाने के बाद कई ग्रामीणों की तबीयत खराब हो गई।

स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा सिढपुरा, अमांपुर और कासगंज जिला अस्पताल में मरीजों को भर्ती कराया गया है। कुछ लोगों का इलाज निजी अस्पतालों में भी जारी है। जिला अस्पताल में करीब दो दर्जन गंभीर मरीजों को निगरानी में रखा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम गांव पहुंची और भोजन के सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि किस वजह से फूड पॉइजनिंग हुई।

इससे पहले मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के मोहराई गांव में भी ऐसा ही मामला सामने आया था, जहां भंडारे में प्रसाद के रूप में परोसे गए हलवे को खाने से 250 लोग बीमार पड़ गए थे। जांच में पाया गया कि घी का डिब्बा जिस से हलवा बना था, उस पर लिखा था कि यह इंसानों के खाने योग्य नहीं है।

कायमपुर गांव में अचानक इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने से दहशत का माहौल है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव में कैम्प लगाकर स्थिति पर नजर रख रही हैं और लोगों को साफ-सफाई तथा बचे हुए भोजन के सेवन से बचने की सलाह दी जा रही है।

दो दिन तक घर में पड़ा रहा पिता का शव, बेटों ने नहीं दिया ध्यान

फिर बेटी ने लाश को दिया कंधा और किया अंतिम संस्कार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के जालौन से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे पढ़कर हर किसी की आंखों में आसू आ जाएगे। दरअसल, यहां पर एक पिता की मौत हो जाती है और दो दिन तक उसका शव घर में ही पढ़ा रहा। परिवारिक कलेश की वजह से उनके दो बेटे ने पिता के शव की तरफ ध्यान नहीं दिया। तब उनकी विवाहित बेटी ने आगे आकर पिता के लाश को कंधा दिया और कई सालों से पुरानी परंपरा तोड़ दी।

जिले के कोतवाली क्षेत्र के ग्राम

औरखी का ये मामला है। शनिवार सुबह तबीयत बिगड़ने पर सुरेश कुमार को उनके भाई उमाशंकर इलाज के लिए सीएचसी जालौन ले गए थे। यहां पर आराम मिलने के बाद वह घर लौट आए। लेकिन, शाम को एक बार फिर उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई। पारिवारिक विवाद के चलते बेटों ने पिता की लाश को देखा तक नही। दो दिन तक घर में ही पिता का शव पड़ा रहा।

मृतक की विवाहित बेटी शिल्पी आगे आई और सालों पुरानी परंपरा तोड़ते हुए पिता के शव को कंधा दिया और अंतिम संस्कार भी किया। उसने पिता की हत्या की आशंका जताई और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसमें बीमारी से मौत की पुष्टि हुई।यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री को जनता की परवाह नहीं-अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में बाढ़ से स्थिति भयावह है। लोग जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री को जनता की समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। यादव ने कहा कि बाढ़ के चलते मथुरा, आगरा, अलीगढ़, शाहजहांपुर, पीलीभीत, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज, फर्रूखाबाद, सीतापुर, हरदोई, वाराणसी समेत कई जिलों में स्थिति खराब है। बाढ़ से आम जनजीवन संकट में है। लोगों को खाना-पानी, दवा-इलाज नहीं मिल रहा है। इस संकट की घड़ी में सरकार कहीं दिखाई नहीं दे रही है।

अखिलेश यादव ने लोगों के घर-खेतीबाड़ी सब बर्बाद हो गए। बाढ़ राहत को लेकर बनी मुख्यमंत्री की टीम इलेवन का कुछ पता नहीं है। जनता को सरकार की थोथी घोषणाओं से कोई राहत नहीं मिल रही है। लोगों को जान बचाने के लाले पड़े है। सरकार संकट में फंसी जनता को बचाने के बजाय लफ्फाजी करने में ही अपनी उपलब्धि मान रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का हवाई सर्वेक्षण सिर्फ बाढ़ पर्यटन बनकर रह गया है। दर्जनों जिलों के सैकड़ों गांव टापू बन गये है, लोग अपना घर छोडकर इधर-उधर शरण लेने पर मजबूर है।

आगरा शहर के दर्जनों

कालोनियों में पानी भर गया है। हजारों की संख्या में घर डूब गये हैं। गलियों, सड़कों पर पानी भरा है। मथुरा में यमुना किनारे बाजारों की दुकाने डूब गयी है। लोग छतों पर शरण लेने और रहने को मजबूर है। प्रयागराज के हजारों घरों में पानी घुस गया है। आम जनता और छात्रों के लिए बाढ़ मुसीबत बन गयी है। फिरोजाबाद में दर्जनों गांवों में पानी भर गया है। फसले डूब गयी है। हरदोई में बाढ़ से करीब सौ गांव प्रभावित है। कानपुर देहात, फतेहपुर, गाजीपुर, बलिया में बड़ी संख्या में लोग प्रभावित है। इन जिलों के कई गांव बाढ़ में डूबे हुए है। सरकार ने इस मुसीबत के समय में जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। बाढ़ राहत के नाम पर कागजों में खानापूर्ति हो रही है। आमजन अभाव और भय में जीवन जीने को मजबूत है।

गाय के बछड़े पर बवाल! भाईजान कहने पर भड़के हिंदू नेता ने मारा जोरदार चांटा, तमाशा देखती रही पुलिस

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के रतलाम में गाय के बछड़े के शव को लेकर बवाल हो गया। जहां कचरा गाड़ी में मृत शव रखते समय नीचे गिर गया। ऐसे में हिंदुवादी संगठनों ने प्रदर्शन किया और ड्राइवर और क्लीनर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस सबके बीच पुलिस प्रशासन की नाकामी भी नजर आई और मामले में मुस्लिम समुदाय भी कूद पड़ा और हालात और बिगड़ गए। दरअसल, गाय के बछड़े का शव नगरनिगम कर्मियों से कचरा गाड़ी से नीचे गिर गया। यह देखते ही विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल गोरक्षा पदाधिकारी समेत कई लोग भड़क गए। उन्होंने नगर निगम का ताला तोड़ दिया और परिसर में धरने पर बैठ गए। वे लोग कचरा गाड़ी के ड्राइवर और क्लीनर को मौके पर बुलाने और उनपर कार्यवाही करने की मांग करने लगे। इस बीच पुलिस ने धरने दे रहे लोगों के बीच ड्राइवर और क्लीनर को पेश कर दिया जिससे भीड़ आक्रोशित हो गई। लोगों ने पुलिस के सामने ही ड्राइवर के साथ गाली गलौज और मारपीट शुरु कर दी ऐसे में पुलिस तमाशा देखती रही। इसके बाद ड्राइवर और क्लीनर पर कार्यवाही करते हुए डीडी नगर थाने भिजवाया और मामले को शांत किया गया।

वहीं देर रात मुस्लिम समाज के लोग ड्राइवर सादिक कुरैशी के भाई के साथ स्टेशन रोड थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज करवाई। इस दौरान बड़ी संख्या मुस्लिम समाजजन मौजूद रहे। सादिक कुरैशी की रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि उनके भाई के साथ निगम परिसर में धरना दे रहे लोगों ने गाली गलौज की ओर मारपीट की। जिसका वीडियो मैंने सोशल मीडिया पर देखा था। वीडियो में प्रदर्शन के दौरान मेरे भाई सादिक ने जब एक युवक को भाईजान शब्द बोला तो वो आक्रोशित हो गया और पुलिस के सामने ही उसके भाई के साथ गाली गलौज और मारपीट करने लगा और उसके साथी ने मेरे भाई को भाईजान बोलने से मना किया और गालियां देने लगा।

आक्रोशित लोगों ने कमिश्नर अनिल भाना को कहा कि हम क्या आतंकवादी हैं जो गेट पर ताला लगा दिया। उन्होंने कहा कि एक माह में इस तरह की यह दूसरी घटना है। रुपए लेकर कर्मचारी यह काम कर रहे हैं। इस दौरान जमकर बहस हुई। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर, महापौर समेत निगम प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। हंगामें की सूचना पर बड़ी संख्या में यह पुलिस तैनात हो गई। वही सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, स्टेशन रोड थाना प्रभारी स्वराज डाबी, माणक चौक थाना प्रभारी अनुराग यादव, औद्योगिक थाना प्रभारी गायत्री सोनी, डीडी नगर थाना प्रभारी मनीष डावर भी मौके पर पहुंची। संगठन के लोगों का कहना था कि मौके पर ड्राइवर क्लीनर और दरोगा को बुलाया जाए और उनको निलंबित कर कानूनी कार्यवाही की जाए।

चंद्रयान 4-5 पर काम जारी, 2027 में मानव मिशन इसरो अध्यक्ष ने बताई भविष्य की योजनाएँ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने मंगलवार को घोषणा की कि इसरो चंद्रयान 4 और चंद्रयान 5 पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन का पूरा मॉड्यूल 2023 तक कक्षा में स्थापित कर दिया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए, इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने भविष्य के लिए इसरो की योजनाओं को साझा किया और कहा कि अगले तीन वर्षों में, हम जिन उपग्रहों को स्थापित करने जा रहे हैं, उनकी संख्या वर्तमान संख्या से लगभग तीन गुना होगी। दूसरी बात यह है कि हम बिना किसी लागत में वृद्धि किए अपने मार्क-3 लॉन्चर की पेलोड क्षमता को 4, 000 किलोग्राम से बढ़ाकर 5, 100 किलोग्राम करने पर काम कर रहे हैं।

वी. नारायणन ने आगे कहा कि हम चंद्रयान 4, चंद्रयान 5 पर काम कर रहे हैं और अंतरिक्ष स्टेशन का पहला मॉड्यूल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। 2035 तक पूरा मॉड्यूल तैयार करना होगा और गगनयान पर हम इतने सालों से काम कर रहे हैं और इस साल हमारे पास

मानवरहित मिशन और 2027 की पहली तिमाही में मानवयुक्त मिशन होगा। इसरो अध्यक्ष ने कहा, 'हम देश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं...अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और प्रशांत नायर को अमेरिका में पर्याप्त प्रशिक्षण दिया गया है और अंतरिक्ष यात्रा के उनके संपूर्ण अनुभव का उपयोग हमारे गगनयान कार्यक्रम के लिए किया जाएगा।'

इससे पहले 23 अगस्त को, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मुख्य कार्यक्रम में बोलते हुए, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी. नारायणन ने घोषणा की थी कि भारत चंद्रयान 4 मिशन लॉन्च करेगा, जिसमें वीनस ऑर्बिटर मिशन भी शामिल होगा। इसरो प्रमुख ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वर्ष 2035 तक, भारत 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करेगा, जिसका पहला मॉड्यूल वर्ष 2035 में ही प्रक्षेपित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2040 तक चंद्रमा पर उतरेगा, जिससे भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया में शीर्ष पर पहुँच जाएगा।

वी. नारायणन ने कहा कि उनके निर्देश और दृष्टिकोण के आधार पर, हम चंद्रयान-4 मिशन शुरू करने जा रहे हैं। हम वीनस ऑर्बिटर मिशन शुरू करने जा रहे हैं। हम 2035 तक बीएएस (भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन) नामक एक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने जा रहे हैं और पहला मॉड्यूल 2028 तक लॉन्च किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने एनजीएल (नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्चर) को मंजूरी दे दी है... 2040 तक, भारत चंद्रमा पर उतरेगा और हम उसे सुरक्षित वापस लाएंगे। इस प्रकार, 2040 तक, भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया के किसी भी अन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम के बराबर होगा।

नेपाल जेन जेड विरोध प्रदर्शन मौजूदा स्थिति पर भारत चिंतित

बताया- हालात पर हमारी करीब से नजर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने नेपाल में अपने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की, जिसमें उनसे काठमांडू में सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच सावधानी बरतने का आग्रह किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में कम से कम 19 लोग मारे गए और 300 से अधिक अन्य घायल हो गए। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत सोमवार से नेपाल में हो रहे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और कई युवाओं की जान जाने से उसे गहरा दुख हुआ है।

भारत ने कहा कि हम कल से नेपाल में हो रहे घटनाक्रम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और कई युवाओं की जान जाने से बेहद दुखी हैं। हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ मृतकों के परिवारों के साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करते हैं। एक घनिष्ठ मित्र और पड़ोसी होने के नाते, हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतेंगे और शांतिपूर्ण तरीकों और बातचीत के ज़रिए किसी भी मुद्दे का समाधान करेंगे। हमने यह भी संज्ञान लिया है कि अधिकारियों ने काठमांडू और नेपाल के कई अन्य शहरों में कर्फ्यू लगा दिया है। नेपाल में भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी बरतें और नेपाली अधिकारियों द्वारा जारी

किए गए निर्देशों और दिशानिर्देशों का पालन करें। इस बीच, अधिकारियों ने मंगलवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। पिछले आदेश को हटाए जाने के कुछ ही घंटों बाद ये प्रतिबंध फिर से लागू कर दिए गए। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने सुबह 8:30 बजे से अगली सूचना तक पूरे राजधानी शहर में कर्फ्यू के आदेश जारी किए। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर सुरक्षा बलों और युवा समूहों के बीच हुई झड़पों के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए यह फैसला लिया गया। झड़पों में 19 लोगों की मौत हो गई और 300 से ज़्यादा घायल हो गए। पिछला कर्फ्यू सुबह 5:00 बजे समाप्त हो गया।

भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करे

यरुशलम हमले के बाद इजरायल की राजधानी अगले आदेश तक बंद : पीएम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इज़राइल में नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है। यरुशलम में निर्दोष नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है और आतंकवाद के प्रति अपनी ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है।

उत्तरी यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर बंदूकधारियों द्वारा एक बस पर की गई गोलीबारी में कम से कम छह लोग मारे गए और 12 अन्य घायल हो गए। गोलीबारी यरुशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी यरुशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर है। पूर्वी यरुशलम में एक बस स्टॉप पर हुई गोलीबारी में 6 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इजराइली अधिकारियों ने इस हमले के लिए वेस्ट बैंक के दो फिलिस्तीनियों को जिम्मेदार बताया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों हमलावरों को मौके पर ही मार गिराया गया। दूसरी ओर, गाजा पट्टी में इजराइली सेना के ताजा हमलों में 32 फिलिस्तीनियों की मौत हुई। इनमें से 19 लोग गाजा सिटी में मारे गए। इजराइल ने गाजा सिटी की एक और ऊंची इमारत को निशाना बनाया, जिससे अब तक इस अभियान में ढहाई गई इमारतों की संख्या 50 से ज्यादा हो गई है।

आतिशी की सीएम रेखा गुप्ता से अपील, बाढ़ प्रभावित लोगों को दिया जाना चाहिए मुआवजा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार के एक वयस्क सदस्य को 18, 000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। आतिशी ने किसानों के लिए भी मुआवजे की मांग की और कहा कि उन्हें फसल नुकसान के लिए 20, 000 रुपये प्रति एकड़ की दर से राहत दी जानी चाहिए।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली के सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों की ओर से, मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अपील करती हूँ कि वे प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक वयस्क सदस्य को 18, 000 रुपये की आर्थिक सहायता और संपत्ति के नुकसान का मुआवजा प्रदान करें। सभी बाढ़ प्रभावित छात्रों को किताबें और स्टेशनरी दी जानी चाहिए। दिल्ली में प्रभावित किसानों को 20, 000 रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाना चाहिए। प्रभावित परिवारों के लिए बाढ़ राहत स्थलों पर शिविर लगाए जाने चाहिए ताकि वे बाढ़ में खोए किसी भी मूल आधिकारिक दस्तावेज़ की प्रतियां प्राप्त कर सकें।

पिछले हफ़्ते, दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने पुराने यमुना पुल के पास बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर बचाव और राहत कार्यों का जायज़ा लिया। उन्होंने फंसे हुए मवेशियों को बचाने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। मिश्रा ने कहा कि ये गायें गौशाला से यहाँ लाई गई थीं; ये बाढ़ में फँस गई थीं। फ़िलहाल यहाँ 300 गायें हैं, और आज रात और कल भी, इन सभी गायों को गौशाला में पहुँचा दिया जाएगा, '। उन्होंने आगे बताया कि प्रभावित परिवारों के लिए व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए अधिकारी, एसडीएम और डॉक्टर मौजूद थे।

5 सितंबर को, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने सिविल लाइंस का दौरा किया और नागरिकों से बाढ़ की खबरों से घबराने की अपील नहीं की। वर्मा ने कहा, 'सिविल लाइंस इलाके में पानी की एक बूँद भी नहीं है। रिंग रोड से सटी सर्विस रोड सड़क के स्तर से 8 से 10 फीट नीचे है और बारिश का पानी पंप करके निकाला जा रहा है। यह कहना सही नहीं है कि दिल्ली यमुना नदी में डूबी हुई है।' दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर सोमवार को खतरे के निशान से नीचे आ गया, जिससे कई दिनों से बाढ़ की आशंका के बाद राहत मिली। पुराने यमुना पुल से ली गई तस्वीरों में नदी 205.30 मीटर से नीचे बह रही है।

जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से होगा शुरू पहला मुकाबला जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच

चेन्नई **(एजेंसी)**। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 28 नवंबर को मदुरै में खिताब विजेता जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच होगा। भारत उसी दिन चिली के खिलाफ मैच के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और उसके अगले दिन पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच होगा।

भारत अपना आखिरी लीग मैच 2 दिसंबर को मदुरै में स्विट्जरलैंड के खिलाफ खेलेगा। टूर्नामेंट का कार्यक्रम तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कल रात यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी किया, जिसमें एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह भी मौजूद थे।

पहली बार हो रहे इस विश्व कप में दुनिया भर की 24 टीमें हिस्सा लेंगी और यह तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। छह टीमों को चार-चार के छह समूहों में विभाजित किया गया था और भारत को ग्रुप-बी में पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। तैय्यब इकराम ने कहा कि एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 के मैच कार्यक्रम का शुभारंभ इस प्रतिष्ठित आयोजन की हमारी यात्रा में एक और रोमांचक मील का पत्थर है।

एफआईएच के इतिहास में पहली बार, जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल होंगी, जो एफआईएच सशक्तिकरण और सहभागिता रणनीति के तहत हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि है। यह न केवल हॉकी के वैश्विक विकास और समावेशिता को रेखांकित करता है, बल्कि उभरते हॉकी देशों को शीर्ष स्थापित टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर की प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाएं वैश्विक मंच पर अपने जुनून, दृढ़ संकल्प और कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

यहीं पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी के भावी सितारे महानता की ओर अपना पहला कदम रखेंगे, जिससे लाखों प्रशंसकों और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि तमिलनाडु, अपनी समृद्ध संस्कृति और हॉकी के प्रति प्रेम के साथ, युवाओं, कौशल और अंतरराष्ट्रीय मैत्री के इस उत्सव के लिए एक बेहतरीन पृष्ठभूमि प्रदान करेगा।'

उदयनिधि स्टालिन ने कहा, 'हम हॉकी इंडिया और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (इघ्) के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह टूर्नामेंट इतिहास के सबसे यादगार आयोजनों में से एक बने।'

टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी पर, दिलीप टिर्की ने कहा कि एफआईएच और भारत सरकार ने पाकिस्तानी टीम का स्वागत किया है और आप उनका नाम कार्यक्रमों में देख सकते हैं, हालाँकि पाकिस्तान हॉकी महासंघ की पुष्टि का इंतजार है। फाइनल 10 दिसंबर को चेन्नई में होगा।

टीमें - पूल ए : जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा, आयरलैंड

पूल बी : भारत, पाकिस्तान, चिली, स्विट्जरलैंड

पूल सी : अर्जेंटीना, न्यूज़ीलैंड, जापान, चीन

पूल डी : स्पेन, बेल्जियम, मिस्र, नामीबिया

पूल ई : नीदरलैंड, मलेशिया, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया

पूल एफ: फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, बांग्लादेश।

एशिया कप : रिपोर्टर के सवाल पर सूर्या ने दिया मजेदार जवाब, कहा- प्लेइंग 11 एसएमएस कर देता हूं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप की शुरुआत से पहले दुबई में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी 8 टीमों के कप्तान मौजूद रहे। इस दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए एक मजेदार अंदाज में अपनी बात रखी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार से संजू सैमसन को लेकर टीम मैनेजमेंट की योजनाओं के बारे में सवाल पूछा गया। शुभमन गिल को टीम में शामिल किए जाने और उप कप्तान बनाए जाने के बाद से ही सैमसन के प्लेइंग 11 में जगह को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। जब सूर्यकुमार यादव से टीम के

बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं आपको प्लेइंग 11 मैसेज कर देता हूं भाई।'

सूर्यकुमार ने मुस्कुराते हुए यह भी जोड़ा कि 'हम वास्तव में उनका बहुत अच्छे से ध्यान रख रहे हैं। चिंता मत करो, हम कल सही फैसला करेंगे।' इस जवाब से सूर्यकुमार ने न सिर्फ सवाल को टाल दिया बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि सैमसन को लेकर फैसला लेना अभी बाकी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सूर्यकुमार ने यह भी बताया कि टीम की तैयारी कैसी है। उन्होंने कहा कि टीम ने जनवरी के बाद से कोई भी टी20 सीरीज नहीं खेली है। लेकिन आईपीएल में सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उन्हें फॉर्म में रहने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि 'हम चुनौती स्वीकार करते हैं और देखते हैं कि कल से चीजें कैसी होती हैं।'

आपन तलवार दे दा' - अक्षरा सिंह का सबसे सुपरहिट देवी गीत, जिसने तोड़े कई रिकॉर्ड

शारदीय नवरात्रि 2025 की शुरुआत 22 सितंबर से होने जा रही है। देशभर में इस पावन पर्व को बड़े धूमधाम से मनाने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। जगह-जगह माता रानी के पंडाल सजाए जा रहे हैं, मूर्तियां गढ़ी जा रही हैं और भक्त अपने घरों में भी मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की तैयारियों में जुट गए हैं।

नवरात्रि के दौरान देवी मां के भजन और गीतों का विशेष महत्व होता है और इसी वजह से इन दिनों यूट्यूब और सोशल मीडिया पर देवी गीतों की धूम मची रहती है।

इसी कड़ी में भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री और सिंगर अक्षरा सिंह का एक पुराना देवी गीत फिर से चर्चा में है। यह गाना है - 'आपन तलवार दे दा', जिसे अक्षरा सिंह ने न केवल गाया है बल्कि उसमें परफॉर्म भी किया है।

इस गीत में अक्षरा सिंह मां अम्बे से प्रार्थना करती हैं कि वे उन्हें अपनी तलवार दें ताकि कोई भी बेटी देश में दोबारा निर्भया न बने। वे कहती हैं कि मां के आशीर्वाद से वे राक्षसों का नाश करेंगी और समाज में फैली बुराइयों का अंत करेंगी। वीडियो में कुछ भावुक दृश्य भी दिखाए गए हैं- जहां बच्चियों और गर्भवती महिला को प्रताड़ित होते दिखाया गया है।

यह देवी गीत 15 नवंबर 2018 को Wave Music Bhakti नाम के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था। इसे एल्बम 'अम्बे महारानी की जय हो' में शामिल किया गया था। गाना अपलोड होने के बाद से लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है।

अब तक इस वीडियो को 6 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और नवरात्रि से पहले इसके व्यूज तेजी से बढ़ रहे हैं।

शारदीय नवरात्रि 2025 की शुरुआत 22 सितंबर (सोमवार) से होगी और इसका समापन 1 अक्टूबर (बुधवार) को दशहरे के दिन होगा।

30.4 लाख रुपए तक सस्ती हुई जगुआर लैंड रोवर की कारें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने मंगलवार को कहा कि वह जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को पहुंचाएगा। कंपनी तत्काल प्रभाव से अपने वाहनों की कीमतों में 4.5 लाख रुपए से 30.4 लाख रुपए तक की कटौती करेगी। कंपनी ने बयान में कहा कि ग्राहकों को रेंज रोवर, डिफेंडर और डिस्कवरी ब्रांड के वाहनों में 4.5 लाख रुपए से 30.4 लाख रुपए तक का लाभ मिलेगा।

जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अम्बा ने कहा, "लक्जरी वाहनों पर जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना ग्राहकों और उद्योग दोनों के लिए एक स्वागतयोग्य कदम है। यह कदम भारत के लक्जरी बाजार में हमारे विश्वास और प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, बहुप्रतीक्षित प्रोत्साहन प्रदान करेगा।"

एक अलग बयान में, वोल्वो कार इंडिया ने कहा कि वह 22 सितंबर से अपने पेट्रोल, डीजल वाहनों की कीमतों में 6.9 लाख रुपए तक की कटौती करेगी। जेएलआर इंडिया ने ब्रिटिश डिजाइन, अडवांस तकनीक और परफॉर्मेंस को मिलाकर देश में अपनी ब्रांड उपस्थिति को लगातार मजबूत किया है। रेंज रोवर उसके लक्जरी एसयूवी लाइन-अप का प्रमुख बना हुआ है, अिहि् अपनी पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ बायर्स को अट्रैक्ट करता है, जबकि अेम्दनेब बहुमुखी प्रतिभा और प्रीमियम कंफर्ट का बैलेंस ऑफर करता है।

अगस्त में वाहनों की खुदरा बिक्री 2.84 प्रतिशत बढ़कर 19, 64, 547 इकाई रही : फाडा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री अगस्त में मामूली रूप से 2.84 प्रतिशत बढ़कर 19, 64, 547 इकाई रही। पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 19, 10, 312 इकाई था। वाहन उद्योग के निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। ग्राहकों ने कीमतों में कमी की उम्मीद करते हुए जीएसटी सुधारों से पहले खरीदारी रोक दी थी। फाडा ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री मामूली रूप से बढ़कर 3, 23, 256 इकाई हो गई, जबकि अगस्त 2024 में यह 3, 20, 291 इकाई थी। इसमें सालाना आधार पर 0.93 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। इस साल अगस्त में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 2.18 प्रतिशत बढ़कर 13, 73, 675 इकाई रही।

फाडा ने कहा कि दोपहिया वाहन खंड में पूछताछ मजबूत रही, जिसकी वजह ओणम और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों की शुरुआत थी। हालांकि, उत्तर भारत में अत्यधिक बारिश और स्थानीय बाढ़ ने ग्रामीण क्षेत्रों में मांग को बाधित किया। वाहन निकाय ने कहा कि ऐतिहासिक 'जीएसटी 2.0' घोषणा के कारण भी खरीदारों ने कम दरों की उम्मीद में खरीदारी सितंबर तक टाल दी। बयान में कहा गया कि बाजार की समग्र धारणा स्थिर है और डीलरों को विश्वास है कि आगामी त्योहारी सत्र में मजबूत वृद्धि की गति मिलेगी। फाडा ने कहा कि वाणिज्यिक वाहन खंड में इस साल अगस्त में बिक्री 8.55 प्रतिशत बढ़कर 75, 592 इकाई रही। तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 1, 03, 105 इकाई रही, जो सालाना आधार पर 2.26 प्रतिशत कम है।

सब्जियों के दाम हुए दोगुने, बाढ़ बनी वजह व्यापारियों ने कहा- राहत की उम्मीद नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उत्तर भारत के कई राज्यों में आई भीषण बाढ़ का असर अब दिल्ली-एनसीआर की रसोई पर साफ दिख रहा है। बाढ़ से फसलें बर्बाद होने के कारण राजधानी की मंडियों और खुदरा बाजारों में सब्जियों के दाम दोगुने हो गए हैं। पंजाब और हिमाचल प्रदेश से होने वाली आपूर्ति पर बाढ़ का सीधा असर पड़ा है, जबकि यमुना किनारे की सब्जियां भी पूरी तरह नष्ट हो गईं। इससे बाजार में भारी कमी देखी जा रही है।

व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए अगले एक महीने तक दामों में किसी तरह की राहत की उम्मीद नहीं है। सप्लाई कम होने और होलसेल रेट बढ़ने की वजह से आम जनता को महंगी सब्जियों का बोझ झेलना पड़ेगा।

बाढ़ के कारण फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे स्थानीय सब्जी मंडियों में आवक कम हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप सब्जियों के दाम दोगुने हो गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि बाढ़ ने खेतों को तबाह कर दिया है, जिससे मिट्टी के पोषक तत्व और फसलें नष्ट हो गई हैं, और इस स्थिति में कोई राहत मिलने की उम्मीद कम है।

मोर्केल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की

कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं।

मोर्केल ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।'

कुलदीप हाल ही में दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए नजर आए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ प्लेऑफ में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों पारियों में प्रभावित करने में नाकाम रहे। 30 वर्षीय इस गेंदबाज ने मैच के दौरान 32 ओवर फेंके और कोई विकेट नहीं ले पाए।

नई जीएसटी दरों का लाभ आगे पहुंचाने के लिए सक्रिय पहुंच, व्यापार सहयोग की जरूरत : सीबीआईसी प्रमुख

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से जीएसटी सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। नई जीएसटी दरों के तहत करीब 375 वस्तुओं पर कर घटाया गया है और ये दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। उन्होंने कहा कि अधिक जागरूकता न केवल भ्रम को कम करेगी, बल्कि व्यवसायों, विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को बिना किसी बाधा के सुधारों से पूरा लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी।

कर अधिकारियों को लिखे अपने साप्ताहिक न्यूज लेटर में अग्रवाल ने कहा कि आम आदमी की जरूरत वाली वस्तुओं पर कम कर से घरेलू खर्च घटेगा, जबकि किसानों, कारीगरों और निर्माताओं के लिए किफायती कच्चे माल से उत्पादन, रोजगार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये सुधार केवल दरों में कटौती के बारे में नहीं हैं, बल्कि ये एक अधिक न्यायसंगत और नागरिक-केंद्रित कर ढांचे की दिशा में एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अग्रवाल ने पत्र में लिखा, ''इन सुधारों के प्रभावी होने के साथ, व्यापार और उद्योग के लिए इन्हें आगे बढ़ाने में मदद करना समय की मांग है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि करदाता संशोधित कर दरों और अनुपालन सरलीकरण को स्पष्ट रूप से समझें, एक सक्रिय संपर्क और प्रभावी बातचीत महत्वपूर्ण होगी।''

मौत की अफवाहें सुन चौंकी काजल अग्रवाल, कहा- 'जिंदा हूं और बिल्कुल ठीक, फेक न्यूज न फैलाएं'

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक जानलेवा सड़क दुर्घटना में शामिल होने की अफवाहों का सार्वजनिक रूप से खंडन किया है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपने फॉलोअर्स को आश्वस्त किया कि ये दावे बिल्कुल झूठे हैं और इस स्थिति पर अपनी खुशी भी जताई। यह स्पष्टीकरण उनके सड़क दुर्घटना में शामिल होने की खबरें आने के कुछ घंटों बाद आया।

काजल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर लिखा, 'मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूँ। और सच कहूँ तो यह काफी मज़ेदार है क्योंकि यह झूठ है। ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ, सुरक्षित हूँ और बहुत अच्छा कर रही हूँ। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूँ कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही फैलाएँ। आइए अपना ध्यान सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित रखें।' काजल अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने प्रशंसकों से इन अफवाहों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया। उनके ट्वीट में लिखा था, 'मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था (और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूँ!) और सच कहूँ तो, यह काफी मज़ेदार है क्योंकि यह बिल्कुल झूठ है।'

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ, सुरक्षित हूँ और बहुत अच्छा कर रही हूँ। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूँ कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें प्रसारित करें। आइए अपनी ऊर्जा सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित करें। प्यार और कृतज्ञता के साथ, काजल।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजल अग्रवाल आखिरी बार विष्णु मांचू की फ़िल्म 'कन्नप्पा' में नज़र आई थीं। इसके अलावा, वह इसी साल सलमान खान की फ़िल्म 'सिकंदर' में भी नज़र आई थीं। अब वह कमल हासन की 'इंडियन 3' में नज़र आएंगी।

इसके अलावा, काजल के पौराणिक महाकाव्य पर आधारित नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में भी नज़र आने की चर्चा है। कहा जा रहा है कि वह फिल्म में रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाएँगी। हालाँकि, रामायण के कलाकारों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी निर्माताओं द्वारा जारी नहीं की गई है।

हिना खान का गुस्सा चढ़ा सातवें आसमान पर, कंटेस्टेंट को जमकर सुनाई खरी-खोटी

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों 'बिग बॉस 19' को लेकर सुर्खियों में हैं. दरअसल, हिना ने शो की कंटेस्टेंट अशनूर कौर का सपोर्ट करते हुए, इस कन्टेस्टेंट को सोशल मीडिया पर खूब लताड़ लगाई. वजह बना वो बयान जिसमें उन्होंने टीवी एक्टर्स को फिल्मी सितारों से कमतर बताया था., तो चलिए जानते हैं, कि हिना खान का किस घरवाले परल गुस्सा फूटा है?

हिना खान ने सोशल मीडिया प्लेजफॉर्म एक्स पर दो पोस्ट शेयर किए, जिसमें उन्होंने फरहाना भट्ट को जमकर खरी-खोटी सुनाई. हालांकि, कुछ देर बाद ही उन्होंने अपने दोनों पोस्ट डिलीट कर दिए. इस पोस्ट में हिना जो कुछ भी लिखा उस पर उन्हें क्या फैंस का सपोर्ट मिला या आलोचना आइए जानते हैं. हिना ने लिखा, 'हम किसी भी माध्यम में अच्छे और यादगार काम करना पसंद करते हैं. सभी माध्यमों का हम इक्वल सम्मान करते हैं. टीवी पर आकर खुद को फिल्म एक्टर कहकर बड़ा बताना... ऐसा कोई अच्छा और स्थापित कलाकार कभी नहीं करेगा.

अपने दूसरे पोस्ट में हिना खान ने फरहाना भट्ट पर फिर से तंज कंसते हुए लिखा, 'क्या टीवी का सबसे बड़ा रियलिटी शो किसी सिनेमाघर में टेलीकास्ट हुआ है? नहीं नाष्ठ हमारे टीवी का दिल ही इतना बड़ा है कि कोई भी लालची आकर स्टार बन जाता है. इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया. अब मुझसे ज्यादा मत बुलवाओ.'

हिना खान के इन पोस्ट पर फैंस ने जमकर रिएक्ट किया. एक यूजर ने लिखा, 'हिना बिल्कुल सही बोल रही हैं.' वहीं दूसरे ने कमेंट किया, 'हिना अभिषेक की पुरानी दोस्त है, इसलिए ये सब साफ समझ आ रहा है.'

शो की बात करें, तो घर के अंदर तान्या मित्तल, नतालिया और फरहाना भट इस समय सबसे ज्यादा हेट पा रही कंटेस्टेंट मानी जा रही हैं. वहीं इस हफ्ते नॉमिनेशन लिस्ट में नतालिया और नीलम का नाम भी शामिल है. अब देखना दिलचस्प होगा कि वीकेंड का वार में किसे घर से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा.

रील बनाने के लिए पानी में शव की तरह पड़ा रहा युवक पुलिस-गोताखोर पहुंचे तो खड़ा हुआ, लोगों ने की आलोचना

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सोशल मीडिया पर फेमस होने के चक्कर में एक युवक ने अपनी जान को जोखिम में डाल दिया। गिरवाई थाना क्षेत्र स्थित वीरपुर बांध में ग्वालियर के आरोन निवासी टिंकू रील बनाने पहुंचा। बांध लबालब भरा होने के बावजूद वह गहरे पानी में तकरीबन 30 मिनट तक ऐसे लेटा रहा जैसे कोई लाश तैर रही हो।

लोगों ने जब यह नजारा देखा तो उन्हें लगा कि युवक की मौत हो गई है और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची और गोताखोरों को बुलाया गया। तभी युवक अचानक खड़ा हो गया। पुलिस युवक को थाने लेकर गई, जहां उसने अपने किए पर माफी मांगी। हालांकि गिरवाई थाना पुलिस ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। थाना प्रभारी सुरेंद्रनाथ यादव ने कहा कि आजकल लोग सोशल मीडिया पर लाइक और शेयर के चक्कर में खतरनाक हरकतें कर अपनी जान से खिलवाड़ कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शी दिनेश प्रजापति ने बताया कि युवक का शव जैसा नजारा देख सभी लोग दंग रह गए थे। पुलिस ने लोगों को बांध से दूर रहने की हिदायत दी है। बता दें कि कुछ दिन पहले इसी वीरपुर बांध में नहाते समय एक युवक की मौत भी हो चुकी है, जिसके बाद पुलिस अलर्ट पर है।

कर्नाटक में कानून-व्यवस्था पर सवाल!

शोभा करंदलाजे बोलीं- सिद्धारमैया सरकार में हिंदुओं का हो रहा अपमान

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने मंगलवार को कर्नाटक में गणपति जुलूस के दौरान हुई पथराव की घटना को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कड़ी आलोचना की। शोभा करंदलाजे ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर हिंदुओं का अपमान करने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और जी परमेश्वर के नेतृत्व में कर्नाटक में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। ऐसा लगता है कि राज्य में कोई सरकार नहीं है। हर जगह हिंदुओं का अपमान हो रहा है। पहली बार मैसूर दशहरा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है।

कानून-व्यवस्था की स्थिति पर पुलिस पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि मद्दुर में गणेश जुलूस पर पथराव हुआ। पुलिस क्या कर रही थी? यह सरकार हिंदुओं का अपमान

करना चाहती है। यह सरकार कब तक तुष्टिकरण की राजनीति करती रहेगी? उन्हें हिंदुओं की रक्षा करनी चाहिए। आज, सोमवार शाम को पथराव की घटना के विरोध में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद कर्नाटक के मद्दुर कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। निषेधाज्ञा लागू होने के बाद कल रात से दुकानें नहीं खुलने से बाज़ार वीरान पड़े हैं। इस बीच, इलाके के हिंदू धार्मिक संगठनों ने इस मुद्दे पर एक बैठक की।

पथराव की घटना और उसके बाद भड़के विरोध प्रदर्शन के बाद कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले सोमवार को पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था। सोमवार को, हिंदू समर्थक संगठनों ने मांड्या ज़िले के मद्दुर कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान पथराव की कथित घटना के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि गणपति जुलूस के एक मस्जिद के पास से गुज़रने पर मामूली झड़प हुई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अनुसार, भीड़ को उस इलाके में ज़्यादा देर तक न रुकने के लिए कहा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब जुलूस मस्जिद के पास से गुज़रा, तो मामूली झड़प हुई। पुलिस ने जुलूस में शामिल लोगों को चेतावनी दी थी कि वे वहाँ ज़्यादा देर तक न रुकें। उस समय, कुछ पथराव हुआ... जब जुलूस मस्जिद के सामने से गुज़रा, तो झड़प हो गई। हल्का लाठीचार्ज किया गया। जब लोग उपद्रव मचाने के लिए समूहों में इकट्ठा हुए, तो हल्का लाठीचार्ज किया गया।

शिव मंदिर की सीढ़ियों पर मिला युवक का शव, शराब पार्टी के दौरान हुई हत्या; जांच में जुटी पुलिस

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के लक्ष्मण तलैया इलाके में उस समय हड़कंप मच गया जब शिव मंदिर की सीढ़ियों पर एक युवक का लहूलुहान शव मिला। मृतक की पहचान 35 वर्षीय आनंद पाल के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आनंद देर रात अपने दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान किसी बात पर विवाद हुआ और उसकी चाकुओं से गोदकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक आनंद हलवाई का काम करता था, लेकिन उस पर चोरी और मारपीट जैसे 10 से ज्यादा आपराधिक मामले पहले से दर्ज थे।

सीएसपी कृष्ण पाल सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। डॉग स्क्वॉड की मदद से सबूत जुटाए जा रहे हैं। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जांच में यह भी सामने आया कि आनंद रात करीब 12:30 बजे अपने दोस्त के घर 100 रुपये लेने गया था। आशंका है कि उसकी हत्या रात 2 से 2:30 बजे के बीच हुई। शव के पास कुछ पैसे भी मिले हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने का दावा किया है।

हिमाचल पीडब्ल्यूडी मंत्री ने दिखाई आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लिए 35 वाहनों को हरी झंडी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग के लिए 35 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज का राज्य दौरा राहत और बहाली कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। शिमला में ध्वजारोहण समारोह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने कहा कि लगभग ?3.5 करोड़ की लागत से खरीदे गए ये वाहन मानसून से हुए व्यापक नुकसान के बाद सड़क बहाली और बचाव कार्यों में लगे पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मचारियों की सहायता करेंगे।

मंत्री ने कहा कि आज (9 सितंबर) मुझे खुशी है कि ये वाहन ऐसे समय में जारी किए जा रहे हैं जब राज्य भर में बचाव और बहाली का काम चल रहा है। लेकिन मुझे इस बात का भी गहरा दुख है कि इन अभियानों के दौरान, हमारे दो पीडब्ल्यूडी ऑपरेटरों ने अपनी ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी। हम उनके परिवारों के साथ हैं और उन्हें पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा प्रस्ताव 70 वाहन खरीदने का है, लेकिन पहले चरण में हमने 35 वाहन खरीदे हैं। इन्हें उन उप-विभागों में भेजा जाएगा जहाँ विभागीय वाहन उपलब्ध नहीं थे ताकि हमारे कनिष्ठ अभियंता और उप-अधिकारी अपना काम अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें।

मंत्री ने कहा कि सड़क निकासी की निगरानी के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ तीन घंटे की ऑनलाइन समीक्षा बैठक हुई। सिंह ने कहा कि कल (8 सितंबर) के आंकड़ों से पता चलता है कि 1, 220 सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं। हमने विभाग को इन्हें प्राथमिकता के आधार पर साफ करने का निर्देश दिया है। झालोरी जोत-औट-लुहरी राष्ट्रीय राजमार्ग और चंबा-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित विभिन्न जिलों में खुदाई करने वाली मशीनें, जेसीबी और अन्य मशीनें तैनात की गई हैं।

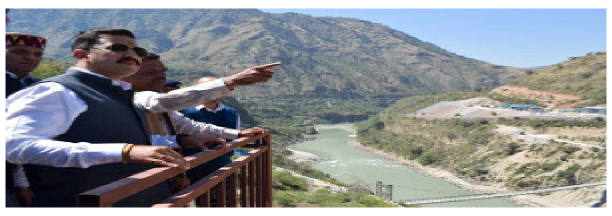

कहां गई शिप्रा नदी में बही लेडी कॉन्स्टेबल, 130 जवान कर रहे तलाश, टीआई और एसआई का मिल चुका है शव

भोपाल (एजेंसी)। उज्जैन की शिप्रा नदी में बही कॉन्स्टेबल आरती पाल और उनकी कार का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बीते 60 घंटे से एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ, होमगार्ड, पुलिस और मां शिप्रा तैराक दल के 130 सदस्य लगातार उनकी तलाश कर रहे हैं। सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुआ सर्चिंग ऑपरेशन अंधेरा होने पर शाम 7 बजे रोकना पड़ा। मंगलवार सुबह फिर से रेस्क्यू टीम ने अभियान शुरू किया और इसमें सोनार डिटेक्शन उपकरण की भी मदद ली जा रही है। गौरतलब है कि उन्हेल थाने में पदस्थ कॉन्स्टेबल आरती पाल शनिवार रात टीआई अशोक शर्मा और एसआई मदनलाल निनामा के साथ एक नाबालिग के अपहरण केस की जांच के लिए चिंतामन थाना क्षेत्र जा रही थीं। इसी दौरान कार शिप्रा नदी में बह गई।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी में गिरी कार से एघ मदनलाल निमामा का शव बरामद कर लिया गया है। सोमवार को दिनभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ, होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की टीम को यह सफलता मिली। आपको बता दें कि है कि इससे पहले रविवार को इस हादसे में लापता हुए ऊघ अशोक शर्मा का शव भी मिल चुका है। लगातार दो दिनों से चल रहे सर्च अभियान के बाद यह दूसरी बड़ी सफलता मानी जा रही है।

हादसे में डूबी कार का बंपर घटना स्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर भृतहरि गुफा के सामने घाट के पास मिला। इससे संभावना जताई जा रही है कि कार भी आसपास ही हो सकती है।

ईडी का बड़ा एक्शन : 273 करोड़ के बैंक घोटाले में दिल्ली-एमपी में 10 ठिकानों पर छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कथित 273 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में दिल्ली और मध्य प्रदेश में दस स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने दिल्ली में नौ और मध्य प्रदेश के भोपाल में एक स्थान पर तलाशी ली। तलाशी अभियान में शामिल परिसर कंपनी से निकटता से जुड़ी संस्थाओं और व्यक्तियों के हैं। ईडी ने केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर एक प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जो बैंक द्वारा की गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी।

अधिकारियों ने कहा कि कंपनी और उसके प्रवर्तकों व निदेशकों ने आईएफसीआई (भारतीय औद्योगिक वित्त निगम) द्वारा दिए गए लगभग 273 करोड़ रुपये के ऋण और धन का गबन किया।' ईडी द्वारा की गई जाँच का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने कहा कि ऋण राशि का एक बड़ा हिस्सा ईएचडीएल की विभिन्न संबंधित संस्थाओं में स्थानांतरित कर दिया गया, जो किसी भी वास्तविक व्यवसाय में शामिल नहीं थीं।

एक अन्य मामले में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा 2014 में दर्ज की गई एक शिकायत और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) के दस्तावेज़ दाखिल किए।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 49-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक 04.09.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक- 30.09.2025 समय 15.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम.सं. 1 | निविदा सूचना संख्याः ELG-99-2526 | कार्य की लागत (रु.): ₹ 22810192.71

कार्य का नामः पावर फैक्टर में सुधार और ऊर्जा बिल में बचत के लिए पीआरवाईजे डिवीजन में एपीएफसी पैनल का प्रावधान।

बिड सिक्योरिटी (₹ में): ₹ 264100.00

क्रम.सं. 2 | निविदा सूचना संख्याः ELG-100-2526 | कार्य की लागत (रु.): ₹ 7995324.39

कार्य का नामः "कानपुर सेंट्रल में अधिकारियों के लिए 3 नए टाइप-V क्वार्टरों का निर्माण" से संबंधित विद्युतीय सामान्य कार्य। "कानपुर अनवरगंज सीपीए स्टेशन पर सी एंड डब्ल्यू के लिए अन्य रखरखाव सुविधाओं का पुनर्वास और उन्नयन" से संबंधित विद्युतीय कार्य।" एडीईएन/एचक्यू-1/सीएनबी के तहत एसएसई/डब्ल्यू/एसपीएल-1/सीएनबी के अनुभाग में स्क्रैप यार्ड में एक नया वार्ड, एक आरसीसी रोड, कर्मचारियों के लिए एक रेस्ट रूम और कुछ अन्य विविध कार्य प्रदान करके जनरल स्टोर डिपो में सुधार" से संबंधित विद्युतीय कार्य।" एडीईएन/एफटीपी के तहत अधिकारी विश्राम गृह का नवीनीकरण। "कानपुर सेंट्रल-एडीईएन/एचक्यू-II/सीएनबी के तहत लोको ज़ोनल रेस्ट रेलवे कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टरों के स्थान पर 15 यूनिट टाइप-III स्टाफ क्वार्टर का निर्माण" के कार्य से संबंधित विद्युतीय कार्य।

बिड सिक्योरिटी (रु.): ₹ 159900.00

क्रम.सं. 3 | निविदा सूचना संख्याः ELG-101-2526 | कार्य की लागत (रु.): ₹ 8923039.85

कार्य का नामः "प्रयागराज-डीएसए ग्राउंड में खेल परिसर भवन और ओपन एयर खेल सुविधाओं का निर्माण" के कार्य के संबंध में विद्युत कार्य, एसएसएडब्ल्यू के सुरक्षा कार्यों के साथ परिष्कृत कंप्रेसर रूम और एस एंड टी रूम के प्रतिस्थापन पर सुपरफास्ट वाशिंग लाइन में सी एंड डब्ल्यू के लिए नए भवन का प्रावधान' के कार्य के संबंध में विद्युत कार्य, 'केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज (चरण II) के उन्नयन और आधुनिकीकरण' के कार्य के संबंध में विद्युत कार्य।

बिड सिक्योरिटी (रु.): ₹178500.00

कार्य समाप्त करने की समयावधिः 06 माह

निविदा खुलने की तिथि: 30.09.2025, समय - 15.00 बजे।

नोटः- 1.उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूर्ण जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 1623/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

ओली का इस्तीफा स्वीकार, कौन हैं रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह जिसे सत्ता सौंपने की मांग कर रहे नेपाल के जेन जेड आंदोलनकारी

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कथित भ्रष्टाचार को लेकर काठमांडू में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच इस्तीफा दे दिया। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री पद से के.पी. शर्मा ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति के एक सहयोगी ने यह जानकारी दी। अब काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह, जिन्हें लोग बालेन शाह कहते हैं, नए प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर चर्चा में हैं। 33 वर्षीय मेयर बालेन शाह ने सोशल मीडिया पर युवाओं का समर्थन किया। उन्होंने लिखा कि वे पूरी तरह युवाओं के साथ खड़े हैं और नेताओं को चेतावनी दी कि इस आंदोलन का राजनीतिक फायदा न उठाएं। उनकी यह बात युवाओं को पसंद आई और वे उन्हें एक नए विकल्प के रूप में देखने लगे हैं।

नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के अपने पद से इस्तीफा देने से कुछ मिनट पहले, जेनरेशन जेड के प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसकर परिसर की एक इमारत में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने भक्तपुर के बालकोट क्षेत्र में ओली के आवास और अन्य वरिष्ठ नेताओं के घरों में भी आग लगा दी। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध हटा लिए जाने के बाद से यह विरोध प्रदर्शन जारी है। तस्वीरों में नजर आया कि जब इमारत में आग लगी हुई थी, तब भी हजारों प्रदर्शनकारी नारे लगाते हुए और झंडे लहराते हुए संसद की ओर मार्च करते रहे।

प्रदर्शनकारियों ने सिंह दरबार परिसर के पश्चिमी द्वार को तोड़कर उसमें भी प्रवेश किया। बताया जा रहा है कि उन्होंने द्वार को आग लगा दी और नेपाल के केंद्रीय प्रशासनिक परिसर में जबरन घुस गए। पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के नाइकाप स्थित आवास को भी आग लगा दी गई थी, जिसके ठीक एक दिन पहले उन्होंने फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और यूट्यूब सहित 26 सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन कर रहे युवा प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किए जाने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। विरोध प्रदर्शनों में अब तक 19 लोग मारे गए हैं और 300 से ज़्यादा घायल हुए हैं। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बढ़ते दबाव के बीच ओली ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया। उनका इस्तीफ़ा सैकड़ों प्रदर्शनकारियों द्वारा सरकार विरोधी नारे लगाते हुए उनके कार्यालय में घुसने के कुछ ही देर बाद आया।

इजरायल की राजधानी यरुशलम में भीषण आतंकी हमला, हमलावर ने बस स्टॉप पर बरसाई गोलियां

यरूशलम (एजेंसी)। इजराइल ने यरूशलम गोलीबारी की निंदा करते हुए इसे अपनी राजधानी पर एक भयानक आतंकवादी हमला बताया। इजराइली सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ऐसी घटनाएं उनके देश में पहले हुए अत्याचारों की याद दिलाती हैं। इजराइली पुलिस, आपातकालीन बचाव सेवाओं और स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, फिलीस्तीनी हमलावरों ने सोमवार को उत्तरी यरूशलम के एक व्यस्त चौराहे पर एक बस स्टॉप पर गोलीबारी की, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

पूर्वी यरुशलम में एक बस स्टॉप पर हुई गोलीबारी में 6 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इजराइली अधिकारियों ने इस हमले के लिए वेस्ट बैंक के दो फिलिस्तीनियों को जिम्मेदार बताया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों हमलावरों को मौके पर ही मार गिराया गया। दूसरी ओर, गाजा पट्टी में इजराइली सेना के ताजा हमलों में 32 फिलिस्तीनियों की मौत हुई। इनमें से 19 लोग गाजा सिटी में मारे गए। इजराइल ने गाजा सिटी की एक और ऊंची इमारत को निशाना बनाया, जिससे अब तक इस अभियान में ढहाई गई इमारतों की संख्या 50 से ज्यादा हो गई है। गाजा के दक्षिणी हिस्से अल-मवासी में हजारों विस्थापित फिलिस्तीनी परिवार बेहद खराब हालात में रह रहे हैं। यहां न तो पर्याप्त टेंट हैं, न पीने का पानी और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं। लोग टूटी-फूटी इमारतों में शरण ले रहे हैं। गर्मी के कारण दिन में टेंट में रहना मुश्किल हो जाता है।

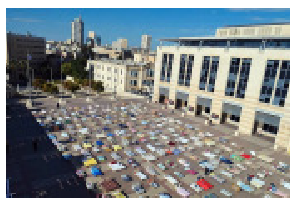

दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा आपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

जबलपुर जं.-आनन्द विहार टर्मिनल-जबलपुर जं.- साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01707 जबलपुर जं.- आनन्द विहार टर्मिनल		स्टेशन	गाड़ी सं. 01708 आनन्द विहार टर्मिनल -जबलपुर जं.	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
सोमवार	14:40	जबलपुर जंक्शन	09:30	बुधवार
21:28	21:30	मानिकपुर जंक्शन	04:58	05:00
22:15	22:17	शंकरगढ़	02:28	02:30
23:20	23:25	प्रयागराज जंक्शन	01:30	01:35
01:00	01:02	फतेहपुर	21:28	21:30
03:20	03:25	गोविन्दपुरी	20:20	20:25
05:10	05:12	इटावा जंक्शन	18:15	18:17
06:45	06:50	टूण्डला जंक्शन	17:10	17:15
08:18	08:20	अलीगढ़ जंक्शन	16:03	16:05
12:25	मंगलवार	आनन्द विहार टर्मिनल	मंगलवार	13:45

• जबलपुर जंक्शन से — गाड़ी संख्या 01707 दिनांक 29.09.2025 से 03.11.2025 (प्रत्येक सोमवार) • आनन्द विहार टर्मिनल से — गाड़ी संख्या 01708 दिनांक 30.09.2025 से 04.11.2025 (प्रत्येक मंगलवार)

गाड़ी संरचना – सामान्य श्रेणी – 04, स्लीपर श्रेणी – 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी – 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी – 02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी – 01

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन न0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1634/25 (C)

27 विमान, 7 जहाज को जरिए ताइवान पर अपनी कार्रवाई तेज करने लगा है चीन

बीजिंग (एजेंसी)। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि उसने अपने क्षेत्र के आसपास 27 पीएलए विमानों और 7 पीएलएएन जहाजों की मौजूदगी दर्ज की है। एक्स पर एक पोस्ट में विवरण साझा करते हुए, एमएनडी ने कहा कि उसने 2 आधिकारिक जहाजों की उपस्थिति भी दर्ज की। इनका पता सोमवार सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक लगाया गया। एमएनडी ने आगे बताया कि 27 में से 14 उड़ानें मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं।

ताइवान के आसपास संचालित 27 पीएलए विमान, 7 पीएलएएन जहाज और 2 आधिकारिक जहाजों का आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक पता चला। 27 में से 14 उड़ानें मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। लगातार घुसपैठ और समुद्री अभियान ताइवान और चीन के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाते हैं, जो लंबे समय से भू-राजनीतिक तनाव से भरा रिश्ता रहा है। ताइवान, जिसे आधिकारिक तौर पर चीन गणराज्य (आरओसी) के रूप में जाना जाता है, अपनी विशिष्ट राजनीतिक और आर्थिक प्रणालियों के साथ स्वतंत्र रूप से शासन करता है।

हालाँकि, चीन 'एक चीन' सिद्धांत के तहत ताइवान को अपना हिस्सा बताता रहा है और इस बात पर ज़ोर देता रहा है कि केवल एक ही चीन है जिसकी राजधानी बीजिंग है। इस विवाद की जड़ें 1949 में चीनी गृहयुद्ध की समाप्ति से जुड़ी हैं, जब माओत्से तुंग के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा मुख्यभूमि चीन पर कब्ज़ा करने के बाद, आरओसी सरकार ताइवान भाग गई थी। तब से, बीजिंग अपने एकीकरण के लक्ष्य पर कायम है और ताइवान पर दबाव बनाने और उसके अंतरराष्ट्रीय स्थान को कम करने के लिए सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक साधनों का इस्तेमाल कर रहा है।

क्वाड अब भूल जाओ : ब्रिक्स के मंच से चीन का खुला ऐलान

मिलकर करेंगे काम, ट्रंप कुछ नहीं कर पाएंगे

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स देशों से संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पेश की गई व्यापार चुनौतियों पर एकजुट प्रतिक्रिया का आह्वान किया तथा एक खुली वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा द्वारा आयोजित ब्रिक्स समूह के एक आभासी शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जिनपिंग ने कहा कि वाशिंगटन के टैरिफ युद्धों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से बाधित किया है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर किया है। आधिपत्यवाद, एकतरफावाद और संरक्षणवाद दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ देशों द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध और टैरिफ युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया एक नाज़ुक मोड़ पर है।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि ग्लोबल साउथ की अग्रणी शक्ति के रूप में ब्रिक्स देशों को बहुपक्षवाद की संयुक्त रूप से रक्षा करने और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बनाए रखने के लिए खुलेपन, समावेशिता और जीत-जीत सहयोग की ब्रिक्स भावना को बनाए रखना चाहिए। जिनपिंग ने यह भी कहा कि समूह को एकजुट होना चाहिए और व्यापार, वित्त, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अधिक सहयोगात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए अपनी शक्तियों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग जितना घनिष्ठ होगा, बाहरी जोखिमों और चुनौतियों से निपटने में विश्वास उतना ही मजबूत होगा, अधिक समाधान उपलब्ध होंगे और बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ब्रिक्स बदलती अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों की कसौटी पर खरा उतरेगा। इसी बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बिना जयशंकर ने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति वास्तविक चिंता का कारण बन गई है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।